रोहतक

रविवार, 28 दिसंबर, 2025

पौष मास शुक्ल पक्ष, अष्टमी/नवमी वर्ष : 29, अंक : 329

पृष्ठ 14 मूल्य 3 .00

मौसम

अधि. 23.5

न्यून. 4.9

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

07 बॉक्सिंग डे टेस्ट : इंग्लैंड की 15 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में पहली जीत

खबर संक्षेप

बारामूला-श्रीनगर हाईवे पर संदिग्ध वस्तु बरामद सुरक्षाबलों ने किया नष्ट

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में बारामूला–श्रीनगर नेशनस हाईवे पर संदिग्ध वस्तु मिली। जानकारी मिलने पर सुरक्षाबल मौके पर पहुंचे। इसके बाद दोनों ओर का ट्रैफिक रोका गया। इसके बाद बम निरोधक दस्ते ने सेफ्टी के साथ संदिग्ध वस्तु को नष्ट किया। सुरक्षाबल इलाके की जांच कर रहा है। सर्दी के मौसम को देखते हुए आतंकी घुसपैठ की फिराक में हैं। सुरक्षाबलों ने सीमा पर चौकसी बढ़ा रखी है। **एजेंसी**

मणिपुर में 8 उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार और रेडियो सेट बरामद

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन कांग्लेईपक कम्युनिस्ट पार्टी के आठ सक्रिय उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि इंफाल पूर्व के आंद्रो लेतनपेकफम इलाके से केसीपी (पीपुल्स वॉर ग्रुप) के चार सदस्य पकड़े गए, जिनके पास से एक पिस्तौल, तीन जिंदा गोलियां और दो रेडियो सेट मिले। वहीं, इंफाल पश्चिम के लंगोल गेम गांव से केसीपी (तैबंगनबा) के तीन सदस्य और लंगोल के एक फार्महाउस से केसीपी (इबुंगो नांगोम) गुट का एक उग्रवादी गिरफ्तार किया गया। **एजेंसी**

4.9 डिग्री के साथ गुरुग्राम सबसे ठंडा, 31 तक चलेगी शीतलहर

घने कोहरे का कहर, कई जगह हादसे अंगीठी जलाकर सो रहे मुनीम की मौत

जींद में रोडवेज स्कूल बस और ट्रक भिड़े कई घायल

प्रदेश में ठंड के साथ-साथ लोगों को कोहरे की भी मार झेलनी पड़ रही है। जहां सोनीपत, पानीपत, करनाल, कुरुक्षेत्र, अंबाला और पंचकूला में घना कोहरा छाया रहा। वहीं, राजस्थान के साथ लगते इलाकों में कुछ राहत रही। ग्रामीण क्षेत्रों में ठंड और धुंध का ज्यादा असर देखने को मिल रहा है।

हरिभूमि टीम ⏭ हरियाणा

प्रदेश में ठंड और शीतलहर का प्रकोप जारी है। शनिवार सुबह कई जिलों में घना कोहरा छाया रहा। जीटी रोड बेल्ट पर पड़ने वाले करनाल, पानीपत, सोनीपत समेत राज्य के कई जिलों में ज्यादा असर देखा गया। ग्रामीण क्षेत्रों में विजिबिलिटी 10 से 50 मीटर तक रही। वहीं, जींद में धुंध में 2 सड़क हादसे हुए। कंडेला गांव के पास एक रोडवेज बस, स्कूल बस और ट्रक में टक्कर हो गई। हादसे में बस में बैठी सवारियों को चोटें आईं। दूसरा हादसा दिल्ली-पटियाला हाईवे पर खटकड़ टोल प्लाजा पर हुआ। यहां डिवाइडर से 2 कारें टकरा गईं। दोनों कारों में सवार लोग बाल-बाल बच गए। वहीं, कुरुक्षेत्र के शाहबाद के गांव ढंगाली में स्थित एक राइस मिल के कमरे में अंगीठी जलाकर सोए मुनीम की मौत हो गई। अंदेशा जताया जा रहा है कि अंगीठी से निकले धुएं के कारण दम घुटने से रमेश कुमार की मौत हुई है।प्रदेश में गुरुग्राम सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 4.9 डिग्री दर्ज किया गया। इसके अलावा हिसार का 5 डिग्री, जींद 5.2 डिग्री, नारनौल 5.5 डिग्री और पानीपत 5.8 डिग्री न्यूनतम तापमान रहा।

ग्रामीण इलाकों में दृश्यता रही बेहद कम

इन जिलों में घना कोहरा

हरियाणा में जीटी रोड के जिलों सोनीपत, पानीपत, करनाल, कुरुक्षेत्र, अंबाला और पंचकूला में सुबह से घना कोहरा छाया है। वहीं राजस्थान के लगते इलाकों में कोहरे को लेकर राहत है। हिसार बेल्ट की बात करें तो हिसार में हल्का कोहरा छाया है। हालांकि ग्रामीण क्षेत्रों में कोहरे का असर ज्यादा है। फतेहाबाद शहर में मौसम साफ है, लेकिन आउटर इलाकों में कोहरा दिखाई दे रहा है।

पहाड़ों पर बर्फबारी मैदानों में बढ़ी ठंड

- हिमालय में लगातार हो रही बर्फबारी से मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ गई है। यूपी के 68 जिलों में घना कोहरा छाया है। इसके चलते 10 मीटर तक देखना भी मुश्किल हो रहा है।
- मध्य प्रदेश के 31 शहरों पारा 5 से 8 के बीच रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने शनिवार को यूपी के 68 जिलों शीतलहर अलर्ट जारी किया है। इस दौरान कोहरा इतना घना होगा कि विजिबिलिटी शून्य तक पहुंच सकती है।
- मौसम विभाग के मुताबिक श्रीनगर में शुक्रवार रात को न्यूनतम तापमान माइनस 2.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज और सोनमर्ग में न्यूनतम तापमान माइनस 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

और बढ़ेगी ठंड, अभी राहत के आसार नहीं

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में कोहरे के साथ-साथ शीत लहर भी चलेगी। जिसके कारण ठंड का असर लोगों को दिन में भी दिखाई देगा। हिसार स्थित चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. मदन लाल खीचड़ के अनुसार, हरियाणा में 31 दिसंबर तक मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील रहने की संभावना है। इस दौरान 28 से 30 दिसंबर के बीच में ठंड और बढ़ने के आसार हैं। लेकिन 31 दिसंबर के बाद उत्तर व उत्तर पश्चिमी शीत हवाएं चलने से विशेषकर रात्रि तापमान में फिर से गिरावट हो सकती है।

धुएं में दम घुटने से हुई मुनीम की मौत

कुरुक्षेत्र के शाहबाद के गांव ढंगाली में स्थित एक राइस मिल के कमरे में अंगीठी जलाकर सोए मुनीम की मौत हो गई। मुनीम की पहचान रमेश कुमार निवासी अलीगढ़ के तौर पर हुई है। सूचना मिलते ही शाहबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर सीन ऑफ क्राइम टीम को बुलाया गया। सीन ऑफ क्राइम टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। राइस मिल के चौकीदार ने बताया कि वह और मुनीम दोनों रात को दस बजे कमरे में इकट्ठे ही थी। उस समय अंगीठी जल रही थी। वह कमरे से बाहर आ गया और मुनीम रमेश कुमार कमरे में ही सो गया। जब वह सुबह कमरे में आया तो उसने देखा कि मुनीम मृत पड़ा है। अंदेशा जताया जा रहा है कि अंगीठी से निकले धुएं के कारण दम घुटने से रमेश कुमार की मौत हुई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एलएनजेपी अस्पताल कुरुक्षेत्र भिजवाया। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

हाईकोर्ट ने जुर्माने की राशि बढ़ाते हुए तीस लाख रुपये की...

बच्ची से दुष्कर्म के बाद हत्या, दोषी की मौत की सजा उम्रकैद में बदली

पूरा जुर्माना पीड़ित बच्ची के माता-पिता और भाई-बहनों को समान रूप से मुआवज़े के तौर पर देने का आदेश

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा के पलवल जिले में पांच साल की बच्ची के दुष्कर्म और हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए आरोपित की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया। कोर्ट ने साफ कर दिया कि दोषी को बिना किसी रिहाई या माफी के 30 साल तक जेल में रहना होगा, ताकि "समाज की अन्य बच्चियों को आरोपित की विकृत मानसिकता से सुरक्षित रखा जा सके।" हाईकोर्ट ने जुर्माने की राशि बढ़ाते हुए उसे तीस लाख करते हुए निर्देश दिया कि पूरा जुर्माना पीड़ित बच्ची के माता-पिता और भाई-बहनों को समान रूप से मुआवज़े के तौर पर दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि आपराधिक न्याय प्रणाली का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि पीड़ित परिवार को यथासंभव न्यायसंगत राहत प्रदान करना भी है।

आरोपी की मां को किया बरी

पीठ ने ट्रायल कोर्ट द्वारा सात साल की सजा पाए आरोपी की मां को बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि वह केवल अपने "राजा बेटे" को बचाने की कोशिश कर रही थी और इस आधार पर उसे भारतीय दंड संहिता के तहत दंडित नहीं किया जा सकता।

बच्ची की हत्या कर शव आटे के ड्रम में छिपाया

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यह हत्या पूर्व नियोजित नहीं थी, बल्कि दुष्कर्म के सबूत मिटाने की घबराहट में की गई। पीड़िता की उम्र घटना के समय पांच साल, सात महीने और 14 दिन थी। 31 मई 2018 को आरोपित, जो बच्ची के पिता के यहां काम करता था और टेंट लगाने का व्यवसाय करता था, बच्ची को अपने साथ घर ले गया। वहां उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया और फिर रसोई के चाकू से कई वार कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव को आटे के ड्रम में छिपा दिया गया, जिसे उसकी मां इस्तेमाल करती थी।

'माताएं बेटों को लेकर अंधा प्रेम रखती हैं'

आरोपित की मां की भूमिका पर अदालत ने माना कि उसने तलाशी के दौरान विरोध किया और ग्रामीणों के घर में घुसने पर बिजली बंद कर दी थी। इसके बावजूद पीठ ने टिप्पणी की कि इस क्षेत्र में अक्सर माताएं अपने बेटों के प्रति अंधा प्रेम रखती हैं। उसकी एकमात्र गलती यह थी कि वह अपने राजा बेटे को बचाने की कोशिश कर रही थी, जिसके लिए उसे दंडित नहीं किया जा सकता।

खबर संक्षेप

त्रिपुरा विधान सभा अध्यक्ष के निधन पर शोक

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने त्रिपुरा विधान सभा अध्यक्ष बिस्वा बंधु सेन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। विस अध्यक्ष कल्याण ने कहा कि बिस्वा बंधु सेन ने जहां विधायी क्षेत्र में आदर्श स्थापित किए, वहीं उन्हें सामाजिक कार्यों के लिए भी याद किया जाएगा। उनके निधन से संसदीय कार्य क्षेत्र को गंभीर क्षति हुई है। उनका जीवन जनता के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा को समर्पित रहा।

विकास में नहीं छोड़ी कोई कसर : गोयल

पंचकूला। नगर निगम के महापौर कुलभूषण गोयल ने सेक्टर-10 की मार्केट में सड़क की री-कारपेटिंग एवं अन्य विकास कार्यों का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उनके सेक्टर-10 पहुंचने पर वार्ड पार्षद सोनिया सूद एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष उमेश सूद ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में भाजपा जिला प्रधान अजय मित्तल, मार्केट एसोसिएशन के पदाधिकारी, स्थानीय व्यापारी तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे। महापौर कुलभूषण गोयल ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने सेक्टर-10 सहित पूरे वार्ड नं. 4 के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी।

रूंगटा चैरिटेबल ट्रस्ट ने लगाया भंडारा

पंचकूला। समाजसेवा और मानवीय करुणा के संकल्प को साकार करते हुए पुरुषोत्तम दास रूंगटा चैरिटेबल ट्रस्ट ने नव वर्ष के स्वागत से पूर्व फेज़-1, औद्योगिक क्षेत्र, पंचकूला में अपना 195वां अन्न भंडारा श्रद्धा और सेवा भाव के साथ आयोजित किया।नव वर्ष के आगमन से पूर्व ट्रस्ट ने यह संदेश दिया कि आने वाला वर्ष सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए। अन्न भंडारे के माध्यम से न केवल सैकड़ों जरूरतमंदों को भरपेट भोजन उपलब्ध कराया गया, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा, भाईचारे और आपसी सौहार्द का भी संदेश दिया गया।

जहाज हवेली को धरोहर घोषित करने की मांग

चंडीगढ़। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रमुख समाजसेवी डा. राजकुमार गोयल ने केंद्र सरकार, भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय तथा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से पुरजोर मांग की है कि पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले के सरहिंद शहर में स्थित दीवान टोडरमल जैन की ऐतिहासिक हवेली जिसे जहाज हवेली के नाम से जाना जाता है, को शीघ्र राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया जाए। मुगल काल के दौरान जब सरहिंद में गुरु गोबिंद सिंह के चार साहिबजादों और माता गुजरी जी को अत्यंत अमानवीय यातनाएं दी गई और उनके अंतिम संस्कार के लिए भूमि तक देने से इनकार कर दिया गया तब दीवान टोडरमल जैन जी ने मानव धर्म निभाते हुए अपने धन से स्वर्ण मुद्राएं बिछाकर भूमि खरीदी और उनका विधिवत साहिबजादों का अंतिम संस्कार कराया।

प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था होगी मजबूत : कई जिलों में खल रही थी पुलिस कर्मचारियों की कमी

नए साल पर 5000 से ज्यादा पुलिस जवानों को फील्ड में भेजने की तैयारी

योगेंद्र शर्मा ▶▶ चंडीगढ़

आखिरकार प्रदेश के जिन- जिन जिलों में पुलिस कर्मियों की कमी खल रही है, वहां पर ये दूर होने जा रही है। गत दिवस 25 दिसंबर को भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आगमन के वक्त पर पासिंग आउट परेड में यह पांच हजार से ज्यादा जवान शामिल हुए थे। खास बात यह है कि भारतीय न्याय संहिता सिस्टम (बीएनएस) लागू होने के बाद में यह पहला बैच होगा, जो फील्ड में उतरेगा। यहां पर बता दें कि 25 दिसंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पंचकूला के कई कार्यक्रमों में बतौर मुख्यातिथि शामिल हुए थे। इस दिन हरियाणा पुलिस के 5 हजार से ऊपर सिपाहियों नए भर्ती की पासिंग आउट परेड में मुख्य अतिथि अमित शाह को सलामी दी गई थी। हरियाणा की चार बड़ी चुनौतियों संगठित अपराध, मानव तस्करी, नशा और जबरन वसूली पर महत्वपूर्ण बातें कहीं थी। शाह ने साफ कर दिया था कि हरियाणा हर फील्ड में धाकड़ है, इसलिए पुलिस के जवानों को आह्वान किया था कि यह पहला बैच है जो बीएनएस लागू होने के बाद नियुक्त किया है। इन युवाओं की भूमिका आगे बेहद महत्वपूर्ण होगी।

- **भारतीय न्याय संहिता लागू होने के बाद हरियाणा पुलिस का पहला बैच सेवाएं देने के लिए तैयार**

डीजीपी ऑफिस ने जिला पुलिस से मांगी डिमांड

सूबे में पांच हजार से ज्यादा जवान तैनाती के लिए अब पूरी तरह से तैयार हैं। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक आफिस राज्य के सभी जिलों में डिमांड के हिसाब से इन सिपाहियों को फील्ड में भेजे जाने की तैयारी में है। खास बात यह है कि बीएनएस के तहत आने वाले नए सिपाहियों को पुलिस कमिश्नरियों में भेजे जाने की तैयारी है। काफी संख्या में पंचकूला को भी नए सिपाही मिलेंगे। सभी जिलों से उनकी मांगों को मंगाया गया था, इसलिए प्रदेश पुलिस प्रमुख का आफिस जिलों की डिमांड के हिसाब से पुलिस कर्मियों भेजने पर होमवर्क में जुटा हुआ है। हालांकि नए साल में कुछ दिन ही शेष रह जाने के कारण अधिकांश अधिकारी और कर्मचारी छुट्टी के मूड़ में हैं। यही कारण भी है कि नए भर्ती पासिंग परेड के इन सिपाहियों को नए साल में ही पोस्टिंग दी जाएगी।

नए डीजीपी के आने पर ही मिलेगी तैनाती

नए सिपाहियों की भर्ती और इन्हें फील्ड में भेजे जाने का काम नए साल में नए डीजीपी के हाथों से ही होगा। यह भी ज्यादा संभावनाएं हैं, क्योंकि दिसंबर समाप्त होने व नए साल में तीन दिनों का अंतर रह गया है। इसमें भी छुट्टी का माहौल बना हुआ है। पुलिस कमिश्नरी में ज्यादा जरूरत बड़े शहरों पर फोकस किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर दिल्ली एनसीआर के जिलों गुरुग्राम, फरीदाबाद, पंचकूला अंबाला जैसे जिलों में पुलिस कर्मियों को ज्यादा संख्या में भेजे जाने की तैयारी है। वैसे, नए भर्ती पुलिस कर्मियों में अधिकांश अभी से सियासी आकाओं के यहां पर जुगाड़ लगाने में लग गए हैं ताकि बढ़िया जिलों में बढ़िया पोस्टिंग करा सकें।वैसे, भी राज्य में नए पुलिस प्रमुख का इंतजार हो रहा है। बहुत ही बेसब्री से नए डीजीपी का इंतजार किया जा रहा है। इसके लिए पांच नामों का पैनल भी केंद्र में जा चुका है।

क्राइम पर प्रहार की तैयारी : 2026 के लिए आज मधुबन में बनेगी रणनीति

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस वर्ष 2026 की अपराध-नियंत्रण रणनीति, नीतिगत प्राथमिकताओं और संचार दृष्टिकोण को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से 28 दिसंबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन में उच्चस्तरीय मंथन बैठक आयोजित करने जा रही है। महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता पुलिस महानिदेशक हरियाणा ओपी सिंह करेंगे। बैठक में एडीजीपी, आईजी, पुलिस आयुक्त, रेंज डीआईजी तथा सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक भाग लेंगे। वर्ष 2025 के दौरान प्राप्त अनुभवों, चुनौतियों और उपलब्धियों की व्यापक समीक्षा करते हुए 2026 के लिए अपराध नियंत्रण, खुफिया तंत्र और जन-संपर्क रणनीति का रोडमैप तैयार किया जाएगा।

फिरौती कॉल और कॉन्ट्रैक्ट किलिंग की वारदातों पर होगा मंथन

हाल के समय में सामने आए फिरौती कॉल और ऑनर किलिंग जैसे मामलों पर विशेष मंथन होगा, विशेषकर उन मामलों पर जिनका संचालन जेलों या विदेशों से सोशल मीडिया व डिजिटल माध्यमों के जरिए किया जा रहा है। इन नेटवर्क्स पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लक्षित निगरानी, सटीक खुफिया सूचनाओं का आदान-प्रदान, जेल प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय तथा डिजिटल फॉरेंसिक क्षमताओं को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। वहीं राज्य की मादक पदार्थ विरोधी मुहिम को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान के बीच, वर्ष 2026 के लिए नई रणनीति पर भी मंथन किया जाएगा।

हरियाणा मानव अधिकार आयोग ने पुलिस महानिदेशक को दिए निर्देश

गिरफ्तारी के बाद आरोपी का मेडिकल करवाना जरूरी

चंडीगढ़। मानवाधिकारों की प्रभावी सुरक्षा की दिशा में एक अहम और दूरगामी पहल करते हुए हरियाणा मानव अधिकार आयोग के सदस्य दीप भाटिया ने हरियाणा पुलिस के महानिदेशक हरियाणा पुलिस से राज्य के सभी पुलिस अधिकारियों को सख्त और स्पष्ट निर्देश जारी करने को कहा है। आयोग ने साफ कहा है कि किसी भी व्यक्ति की गिरफ्तारी के बाद उसका मेडिकल परीक्षण कानून और सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुरूप अनिवार्य रूप से, पूरी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ कराया जाना चाहिए। आयोग के सदस्य दीप भाटिया ने जोर देकर कहा कि मेडिकल परीक्षण किसी भी सूरत में औपचारिकता बनकर नहीं रहना चाहिए। गिरफ्तार व्यक्ति के शरीर पर मौजूद प्रत्येक चोट, किसी भी प्रकार का दर्द, शारीरिक कष्ट अथवा स्वास्थ्य संबंधी शिकायत सबका विस्तृत और सही-सही ब्यौरा मेडिकल रिकार्ड में दर्ज होना अनिवार्य है। उन्होंने चेताया कि अधूरा या लापरवाही पूर्ण मेडिकल न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि यह व्यक्ति के मौलिक अधिकारों आयोग ने स्मरण कराया कि इससे पहले एक मामले में गंभीर अनियमितताएं सामने आने पर स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक को आदेश दिए गए थे कि राज्य भर में फील्ड में तैनात सभी चिकित्सकों के लिए स्पष्ट गाइडलाइन जारी की जाएं। आयोग के निर्देशों के अनुपालन में स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक ने 19 नवंबर 2025 को सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों और मेडिकल परीक्षण करने वाले चिकित्सकों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करें : भाटिया

इन निर्देशों में स्पष्ट कहा गया है कि मेडिकल के लिए प्रस्तुत किसी भी अभियुक्त का संपूर्ण मेडिकल परीक्षण किया जाए, उसकी हर चोट, दर्द या शिकायत को रिकार्ड में दर्ज किया जाए और मेडिकल रिकार्ड को विधिवत सुरक्षित रखा जाए। अब मानवाधिकार आयोग ने यह भी जरूरी माना है कि इन सभी निर्देशों की जानकारी पुलिस अधिकारियों तक भी समान रूप से पहुंचे, ताकि गिरफ्तारी के बाद मेडिकल की प्रक्रिया में किसी स्तर पर कोई चूक न रह जाए। दीप भाटिया ने चिंता जताई कि वर्तमान में कई मामलों में गिरफ्तार व्यक्तियों का मेडिकल केवल "खानापूर्ति" बनकर रह गया है, जो कानून और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की भावना के सर्वथा विपरीत है। आयोग का स्पष्ट मत है कि यह पहल आम नागरिकों के मानवाधिकारों की रक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने संत कबीर कुटीर में सुनीं समस्याएं

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को अपने सरकारी आवास संत कबीर कुटीर में प्रदेश भर से आए लोगों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही अधिकारियों को समाधान करने के निर्देश दिए।

हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला : सेरेब्रल हेमरेज से हो गई थी सैनिक की मौत

छुट्टी पर आए सैनिक का निधन भी ऑन ड्यूटी के समान विधवा पत्नी को विशेष पारिवारिक पेंशन देने का आदेश

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी सैनिक की मृत्यु छुट्टी के दौरान 'सेरेब्रल हेमरेज' (दिमागी रक्तस्राव) जैसी स्थिति से होती है, तो उसे सैन्य सेवा के कारण हुई मृत्यु माना जाएगा। हाई कोर्ट ने यह फैसला सुमन नामक महिला की याचिका पर सुनाया जिसके पति भारतीय सेना में कार्यरत थे। आकस्मिक अवकाश के दौरान उनके पति की मृत्यु हाई ब्लड प्रेशर के कारण हुए सेरेब्रल हेमरेज से हो गई थी।दिसंबर 2022 में सशस्त्र बल न्यायाधिकरण की चंडीगढ़ पीठ ने सुमन के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उन्हें स्पेशल फैमिली पेंशन देने का आदेश दिया था। केंद्र सरकार ने इस आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती देते हुए तर्क दिया था कि चूंकि जवान अपनी मर्जी से छुट्टी पर था, इसलिए उसकी मौत का सेवा से कोई सीधा संबंध नहीं है। जस्टिस हरसिमरन सिंह सेठी और जस्टिस विकास सूरी की खंडपीठ ने केंद्र सरकार की दलीलों को पूरी तरह खारिज कर दिया।

हाईकोर्ट की टिप्पणी- कानून की नजर में छुट्टी पर गया जवान भी सैन्य अनुशासन और सेवा शर्तों के अधीन ही रहता है

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कानूनी रूप से यह अंतर करना कि जवान एक्टिव ड्यूटी पर था या कैजुअल लीव पर पूरी तरह अप्रासंगिक है। बेंच ने कहा, सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि मृत्यु के समय सैनिक सेवा में था। कानून की नजर में छुट्टी पर गया जवान भी सैन्य अनुशासन और सेवा शर्तों के अधीन ही रहता है।कोर्ट कहा कि सेना की नौकरी सामान्य नौकरियों जैसी नहीं है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में पोस्टिंग, परिवार से दूर रहना और बेहद चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन स्थिति में जवानों में हाई ब्लड प्रेशर का कारण बनती हैं। यह तनाव अंतत सेरेब्रल हेमरेज जैसी जानलेवा स्थिति पैदा करता है।कोर्ट ने देखा कि सैनिक जब सेना में भर्ती हुआ था, तब वह चिकित्सकीय रूप से पूरी तरह फिट था। यदि सेवा के दौरान उसे ब्लड प्रेशर जैसी समस्या हुई, तो इसे उसकी सर्विस कंडीशन से अलग नहीं किया जा सकता।केंद्र सरकार का तर्क था कि सैनिक की मृत्यु किसी सैन्य आपरेशन या ड्यूटी के दौरान नहीं हुई, इसलिए उनकी विधवा विशेष पेंशन की हकदार नहीं हैं। हालांकि, हाई कोर्ट ने एएफटी के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि न्यायाधिकरण का फैसला न तो तथ्यों के विपरीत है और न ही कानून के सिद्धांतों के खिलाफ।

भर्तियों में भेदभाव कर रही सरकार

चंडीगढ़। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने एचपीएससी पीजीटी भर्ती मेंपिछड़ा वर्ग (बीसीए और बीसी बी के अभ्यर्थियोंके साथ प्रमाण पत्र की आड़ में किए जा रहे भेदभाव व अन्याय पर गंभीर आपत्ति जताते हुएकहा कि हरियाणा के पिछड़े समाज के ऐसे अभ्यर्थी, जो सामान्य श्रेणी में भी अपनी योग्यता पूरी करते हैं, को पूरी तरह भर्ती प्रक्रिया से बाहर करना न केवल उनके आरक्षणके अधिकार का हनन है, बल्कि उनके साथघोर अन्याय भी है। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने मांग करी कि हरियाणा लोक सेवा आयोग पीजीटी भर्ती प्रक्रिया में पिछड़ा वर्ग के सभी योग्य अभ्यर्थियों की मांग पर सकारात्मक समाधान निकाले। दीपेन्द्र हुड्डा ने यह भी कहा कि ऐसा लगता है कि आयोग हरियाणा की नौकरियां हरियाणा से बाहर देने की तैयारी कर रहाहै। क्योंकि इससे पहले बिजली विभाग की की भर्ती में भी कुछ ऐसा ही होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने इसे प्रदेश युवाओं के लिए अन्याय बताया।

खरखौदा में सीएम की रैली आज, देंगे सौगातें

सोनीपत। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि 28 दिसंबर रविवार को खरखौदा में विकास रैली है। रैली में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी मुख्य अतिथि होंगे। उन्होंने कहा कि आज सीएम सैनी की विकास रैली की तैयारियां का जायजा लिया कार्यकर्ताओं को जरूरी दिशा निर्देश दिए। बड़ौली ने कहा कि विकास रैली भव्य और ऐतिहासिक होगी। उन्होंने कहा कि नायब सरकार के नेतृत्व में क्षेत्र में नॉनस्टॉप विकास हो रहा है और यह रैली विकास कार्यों को जनता के समक्ष प्रस्तुत करने का सशक्त माध्यम बनेगी। रैली स्थल का जायजा लेने के दौरान सोनीपत जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, गोहाना जिला अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक तथा खरखोदा विधायक पवन खरखौदा उपस्थित रहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि यह विकास रैली 28 दिसंबर को सुबह साढ़े दस बजे अनाज मंडी, खरखौदा में हो रही है। उन्होंने लोगों से रैली में पहुंचने का आह्वान किया।

बार काउंसिल के चुनाव मार्च में

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा बार काउंसिल चुनाव मार्च-2026 में आयोजित किए जाएंगे। चंडीगढ़ में मतदान 17 मार्च को होगा, जबकि हरियाणा के विभिन्न जिलों में जिला स्तर पर चुनाव 18 मार्च को संपन्न होंगे।न्याय प्रशासन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने राज्य भर में चुनावों के सुचारू संचालन के लिए सभी उपायुक्तों को आवश्यक प्रशासनिक एवं लॉजिस्टिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बार काउंसिल के रिटर्निंग ऑफिसर ने मतदान प्रक्रिया की निगरानी एवं संचालन हेतु राजस्व विभाग के अधिकारियों की तैनाती का अनुरोध किया है। इसके लिए सभी उपायुक्तों को समयबद्ध तैनाती और समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए जाएंगे। बार काउंसिल के चुनाव अधिवक्ता अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के तहत प्रत्येक पांच वर्ष में आयोजित किए जाते हैं। वर्तमान चुनाव प्रक्रिया को भारत के सर्वोच्च न्यायालय के 3 दिसंबर, 2025 के आदेश के अनुपालन में शीघ्रता से पूरा किया जा रहा है, ताकि चुनाव समय पर हो सके।

ईओ के पद पर रहते हुए वेयर हाउसिंग के पास परशुराम कॉलोनी की गलत प्रॉपर्टी आईडी बनाने का आरोप

नारनौल नप के पूर्व कार्यकारी अधिकारी केके यादव को एंटी करप्शन ब्यूरो ने गिरफ्तार किया

नारनौल। पूर्व में नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी रहे कृष्ण कुमार यादव (केके यादव) को एंटी करप्शन ब्यूरो गुरुग्राम की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। केके पर नारनौल शहर के नागरिक अस्पताल के पास रेलवे लाइन पार वेयर हाउसिंग गोदाम एरिया के साथ परशुराम कॉलोनी की कृषि योग्य जमीन को प्लाटिंग करने पर गलत प्रॉपर्टी आईडी बनाने का आरोप है। जब यह प्रॉपर्टी आईडी बनाई गई, तब केके नारनौल परिषद के ईओ पद पर कार्यरत थे तथा लॉगइन आईडी की पॉवर इनके पास ही थी। इस मामले में अमीष संघी व निलेश संघी संघीवाड़ा, नवीन, धीरज व सुभाष पटीकरा, रवि जांगिड़ केशवनगर, अनुराग मान मिश्रवाड़ा, ऋषिदत्त काठमंडी के अलावा नगर परिषद में जेई विकास शर्मा, तत्कालीन तहसीलदार विकास सहित अन्य कर्मचारियों के खिलाफ हरियाणा शहरी क्षेत्र विकास एवं विनियमन अधिनियम की धारा 10, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 व 2, आईपीसी की धारा 471, 468, 467, 420, 218 व 120बी के तहत केस दर्ज है। उसी मामले में एसीबी की टीम कार्रवाई में जुटी हुई है। इस मामले में सात मार्च 2024 को उक्त आरोपितों के खिलाफ एसीबी ने केस रजिस्टर्ड करने उपरांत जांच–पड़ताल शुरू की थी।

- **कई अन्य कर्मचारियों पर भी फर्जीवाड़े का आरोप**

जेई ने तैयार की फर्जी रिपोर्ट तहसीलदार पर भी आरोप

जेई विकास शर्मा ने प्रॉपर्टी आईडी बनने के बाद फाइल में अपनी रिपोर्ट में 'दिस लैंड ईज एग्रीकल्चर' में 'ईज' के स्थान पर 'नॉन' व 'विच फॉल्स अनअप्रूव्ड एरिया एंड नॉट इन्क्लूड एम.सी.' लिखकर प्रॉपर्टी आईडी की रिपोर्ट में बदलावा कर छेड़छाड़ की। आरोप है जेई ने इन प्रॉपर्टी डीलरों के साथ मिलीभगत करके रिपोर्ट में बदलाव करके फर्जी रिपोर्ट की। ऋषिदत्त ने नगर परिषद के कर्मचारियों से मिलकर भगवान परशुराम कॉलोनी में अनाधिकृत क्षेत्र की 11041 वर्ग गज में से 1200 वर्ग गज की अप्रूव्ड श्रेणी की प्रॉपर्टी बनवाने के लिए इस प्रॉपर्टी आईडी का प्रयोग किया। तहसीलदार विकास ने अन्य आरोपितों से मिलीभगत से प्लाटिंग करवाई।

ये बोले अधिकारी : पूर्व में नगर परिषद नारनौल के ईओ रहे केके यादव पास प्रॉपर्टी आईडी की लॉगइन पॉवर थी और इन पर पॉवर का मिसयूज करने का आरोप है। इसमें अन्य कई लोग शामिल हैं। इन्होंने हाईकोर्ट में बेल एप्लीकेशन लगाई हुई थी, जिसकी सुनवाई करते हुए अदालत ने इन्हें चालान के साथ कोर्ट में पेश करने का आदेश सुनाया था। इस पर इन्हें गिरफ्तार किया गया है।
राजकरण, इंस्पेक्टर, एंटी करप्शन ब्यूरो, गुरुग्राम

मिलीभगत कर अवैध कॉलोनी काट दी

एफआईआर के अनुसार शहर में काठमंडी वासी ऋषिदत्त कृषि योग्य भूमि कुल तीन बीघा 13 बिस्वा का मालिक है। इस भूमि की दो प्रॉपर्टी आईडी 1200 वर्ग गज भूमि की अप्रैल-2021 में और 11041.25 वर्ग गज भूमि की अगस्त-2021 में बनवाई गई। यह भूमि रिहायश के लिए अनाधिकृत क्षेत्र में है, जहां प्लाटिंग नहीं हो सकती थी, लेकिन ऋषिदत्त व कुछ प्रॉपर्टी डीलरों ने नगर परिषद के कर्मचारियों के साथ मिलीभगत करके अधिकृत क्षेत्र श्रेणी की फर्जी प्रॉपर्टी आईडी बनवाई और इस प्रॉपर्टी आईडी का दुरूपयोग कर एक एनडीसी जेनरेट की। इस प्रॉपर्टी आईडी का दुरूपयोग कर तत्कालीन तहसीलदार विकास व तहसील के अन्य कर्मचारियों से मिलकर इस भूमि पर एक अवैध कॉलोनी काट दी। फिर आरोपितों ने लोगों को यह कॉलोनी वैध बताते हुए बेच दी। बताया जा रहा है कि मौहल्ला संघीवाड़ा वासी अमीष संघी ने ऋषिदत्त शर्मा से उसकी इस जमीन का सौदा 3625 रुपये प्रति गज की दर से 3.70 करोड़ में हुआ। ऋषिदत्त शर्मा ने कृषि भूमि में प्लॉटिंग करने के लिए अमीष संघी संघीवाड़ा, नीलेश संघी संघीवाड़ा से अक्टूबर-2020 को ईकरारनामा किया। अमीष ने इस जमीन के सौदे में नवीन कुमार पटीकरा, रवि जांगिड़ केशवनगर, अनुराग मान मिश्रवाड़ा, धीरज कुमार पटीकरा हाल कैलाशनगर, सुभाष यादव पटीकरा अप्रत्यक्ष रूप से पार्टनर थे, जिसमें 45 प्रतिशत हिस्सा नवीन, धीरज व सुभाष का बताया जा रहा था। अन्य 55 फीसदी हिस्सा अमीष संघी, नीलेश संघी, रवि जांगिड़ व अनुराम मान का रहा। ऋषिदत्त शर्मा ने तीन बिघा 13 बिस्वा में से आठ बिस्वा भगवान परशुराम कॉलोनी की प्रॉपर्टी आईडी बनवाने के लिए नगर परिषद में अप्रैल-2021 में आवेदन किया। चर्चा है कि नगर परिषद के जेई विकास शर्मा ने पांच दिन बाद ही इस प्रॉपर्टी आईडी की फाइल की रिपोर्ट अंकित की। उसी दिन नप अधिकारी अंकित वशिष्ठ के पास भेज दी। अगले ही दिन वहां से फाइल ईओ कृष्ण कुमार यादव के पास भेज दी गई। फिर ईओ ने लॉगइन की पॉवर का इस्तेमाल करते हुए ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड कर दी। इसमें प्लाट का क्षेत्रफल 1200 वर्ग गज का अधिकृत दर्शाया।

तीन साल से घर में बंद बुजुर्ग महिला को रेस्क्यू किया

अंबाला। तीन साल से एक बंद कमरे में जिंदगी बसर कर रही बुजुर्ग महिला को रेस्क्यू किया गया। महिला की देखभाल करने वाला कोई नहीं था जिसके कारण उसकी जिंदगी नरक हो गई। अंबाला शहर के काजीवाड़ा मोहल्ले की एक तंग और अंधेरी गली के बंद कमरे में यह महिला बेहद दर्दनाक जिंदगी बसर कर रही थी। बुजुर्ग महिला की पहचान दर्शाना देवी के तौर पर हुई जोकि तीन साल से नर्क का जीवन जीने को मजबूर थीं। बुजुर्ग महिला अकेली है। उसके परिवार का भी कोई सदस्य नहीं है। चारपाई पर पड़ी बुजुर्ग महिला गंदगी के बीच अपनी सांसें गिनने को मजबूर थी। बुजुर्ग महिला जिस कमरे में थी वहां चूहों और कॉकरोचों का बसेरा था। कमरे से उठने वाली दुर्गंध के बीच दर्शाना देवी के हाथों के नाखूनों में मल-मूत्र फंसा हुआ था। शरीर पूरी तरह जवाब दे चुका है। बुजुर्ग महिला हिलने में भी असमर्थ है। पड़ोसी मानवता के नाते रोटी-पानी दे जाते थे। महिला की स्थिति की सूचना मिलते ही वंदे मातरम दल संस्था की टीम मामले को लेकर सक्रिय हुई। दल के सदस्यों ने न केवल बुजुर्ग महिला को इस नर्क से रेस्क्यू किया बल्कि उन्हें तत्काल लुधियाना स्थित मनुखता दी सेवा सब्ब तो बड़ी सेवा आश्रम पहुंचाया। अब बुजुर्ग महिला गुरप्रीत सिंह के संरक्षण में सुरक्षित हैं। वहां उन्हें इलाज और सम्मानजनक वातावरण मिल रहा है। वंदे मातरम दल के फाउंडर भरत ने बताया कि अगर हमारे बुजुर्ग इस तरह बंद कमरों में सड़ते रहेंगे और हम चुप रहेंगे, तो समझ लेना चाहिए कि हमारी मानवता मर चुकी है।

- **महिला के परिवार में कोई नहीं था**
- **मनुखता दी सेवा सब्ब तो बड़ी सेवा आश्रम के लोग साथ ले गए**

पंचकूला के सेक्टर छह में तेंदुआ आने से लोगों में हड़कंप

पंचकूला। पंचकूला के सेक्टर-6 पाश एरिया में तेंदुआ घुस आने के कारण अफरा-तफरी और हड़कंप का माहौल है। तेंदुआ रिहायशी इलाके में घुस आया। जानकारी अनुसार तेंदुआ सेक्टर-6 स्थित मकान नंबर-277 में दाखिल हो गया है। इसके बाद दूसरे घर की ओर बढ़ता हुआ जाता देखा गया आबादी वाले क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी से लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। घरों में रहने वाले लोग सहमे नजर आए और कई लोगों की सांसें अटकी हुई हैं। इस पूरे मामले में सूचना पुलिस और वन विभाग की टीमें को दी गई है। टीमों मौके पर पहुंच चुकी हैं। पूरे इलाके को घेरकर तेंदुए को सुरक्षित तरीके से पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। एहतियात के तौर पर लोगों को घरों में ही रहने की सलाह दी जा रही है। किसी तरह की अनहोनी से बचने और तेंदआ पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। समाचार लिखे जाने तक सफलता नहीं मिली थी। वन विभाग की टीम पिंजरा लगाने और तेंदुए की मूवमेंट पर नजर रखने में जुटी गई है। बताया जा रहा है कि पहली घटना नहीं है। काफी साल पहले भी पंचकूला के सेक्टरों में इस तरह की घटना हुई है। जबकि एक दिन पहले मोरनी क्षेत्र के शिल्यों के दाबला गांव में भी तेंदुआ एक घर के भीतर घुस गया था। जहां पर कुत्तों के भोंकने के बाद में परिजन जाग गए थे और शोर होते देखने के बाद में तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया था।

- **वन विभाग की टीम मौके पर, लोगों से घर में रहने की अपील**

रोहतक, रविवार, 28 दिसंबर, 2025

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

सुविचार

धैर्य रखना सीखो, हर चीज समय पर मिलती है।
-अज्ञात

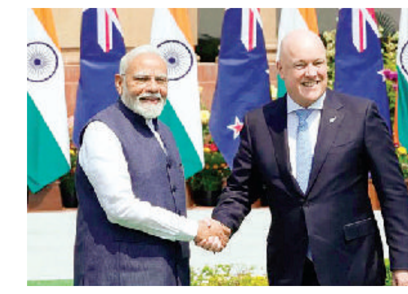

08 भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते से रोजगार के नए अवसर सृजन होंगे

खबर संक्षेप

2025 में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या बढ़ी

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025 में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या का आंकड़ा 16.54 करोड़ तक पहुंच गया, जो कि सालाना आधार पर 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है। यह आंकड़ा कोविड-पूर्व स्तर के लगभग 14.15 करोड़ से 16.8 प्रतिशत अधिक है। भारतीय वाहकों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या 3.38 करोड़ रही, जो कि सालाना आधार पर 14.1% की वृद्धि है। *एजेंसी*

जीडीपी 7.4% तक रहने का अनुमान

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2026 में भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ने की राह पर है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस वर्ष देश की जीडीपी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, जिसके पीछे बिजली की मांग में इजाफा, खनन और निर्माण गतिविधियों में विस्तार तथा त्योहारी सीजन के दौरान उपभोक्ता खपत में बढ़ोतरी प्रमुख कारण हैं। वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में विकास दर 8 प्रतिशत से अधिक रही, लेकिन दूसरी छमाही में वृद्धि दर 7 प्रतिशत से कम रहने की संभावना जताई गई है। *एजेंसी*

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बोला हमला

भाजपा-चुनाव आयोग मिले हुए, लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ साजिश है एसआईआर

खरगे ने कहा, मनरेगा को खत्म करना, राष्ट्रपति महात्मा गांधी का अपमान। इस योजना ने ग्रामीण भारत का चेहरा बदला।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक शनिवार को नई दिल्ली में हुई। इस बैठक में मनरेगा की जगह नया कानून लाने, अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों की रणनीति पर भी बात हुई।

साथ ही एसआईआर को लेकर भी चिंता जताई गई। कार्यसमिति की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि देश लोकतंत्र, संविधान और नागरिक अधिकारों के मुद्दे पर चारों तरफ से गंभीर संकट से घिरा है। खरगे ने मनरेगा की जगह नया कानून लाने पर भी नाराजगी जाहिर की और कहा कि मनरेगा कानून को खत्म कर करोड़ों गरीबों और कमजोर तबके के लोगों को बेसहारा कर दिया गया है। मनरेगा को खत्म करना, राष्ट्रपति महात्मा गांधी का अपमान है। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम मनरेगा को लेकर ठोस रणनीति बनाएं और इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर भी जन अभियान चलाएं। खरगे ने कहा कि सरकार ने काम करने के अधिकार पर सुनियोजित हमला किया है।

- अगले साल असम, केरल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विस चुनाव
- कार्यसमिति की बैठक में इन चुनावों की रणनीति पर भी हुई चर्चा

बैठक में कांग्रेस शासित राज्यों तेलंगाना कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री भी मौजूद रहे

कार्यसमिति की बैठक से पहले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी गई

कांग्रेस सांसद ने असम सरकार को घेरा

गौरव गोगोई ने असम सीएम पर भी निशाना साधा और कहा कि हिमंत बिस्वा सरमा के राज में, रोजाना भ्रष्टाचार और कुशासन का पर्दाफाश हो रहा है। हर दिन, आप उनके कैबिनेट के किसी न किसी विधायक के बारे में गलत कारणों से खबरें देखते हैं। कभी गायों की तस्करी में शामिल, कभी जमीन खरीदने को लेकर किसी को धमकी देना, कभी अवैध रेत माफिया या कोयला माफिया से जुड़े होना, और तो और किसी की नागरिकता पर भी सवाल उठ रहे हैं। हिमंत बिस्वा सरमा सरकार में एक विधायक हैं जिनकी बांग्लादेशी होने की पहचान पर सवाल उठे हैं। ऐसे कई सवाल हैं जिनका जवाब वह खुद नहीं दे पाए हैं। कार्यसमिति की बैठक से पहले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी गई।

मनरेगा से पलायन रुका, गांवों को अकाल, भूख से मुक्ति मिली

खरगे ने मनरेगा कानून की तारीफ करते हुए कहा कि इस योजना ने ग्रामीण भारत का चेहरा बदला। यह दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम बना। इससे पलायन रुका, गांवों को अकाल, भूख और शोषण से मुक्ति मिली। मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण एक गंभीर मुद्दा है। यह लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित करने की सोची-समझी साजिश है। खरगे ने आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत जगजाहिर है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि मतदाता सूची में दलित, आदिवासी, अति पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्गों के नाम न कटने पाएं।

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न पर जताई चिंता

कांग्रेस अध्यक्ष ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों को लेकर भी चिंता जताई गई। साथ ही क्रिसमस के मौके पर कई इलाकों में सौहार्द बिगाड़ने के मुद्दे पर भी चिंता जताई गई। बैठक में कांग्रेस शासित राज्यों- तेलंगाना, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री भी मौजूद रहे। इनके अलावा प्रदेश कांग्रेस कमेटियों के प्रमुखों ने भी बैठक में हिस्सा लिया। अगले साल असम, केरल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में कार्यसमिति की बैठक में इन चुनाव की रणनीति पर भी चर्चा हुई।

गोदारा गैंग के शूटर ने भेजी ऑडियो...

सोनीपत में जिम कारोबारी से मांगी 2 करोड़ की रंगदारी

कहा- कल तक का टाइम सबकुछ मिट्टी कर देंगे

पीड़ित कारोबारी ने पुलिस से मांगी सुरक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

फूड सप्लीमेंट ब्रांड पहल न्यूट्रीशन के मालिक वीरेंद्र पहल से रोहित गोदारा गैंग ने 2 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। फिरौती न देने पर जान से मारने की धमकी दी है। बदमाश ने वॉट्सऐप पर धमकी भरा वॉयस नोट भेजकर एक दिन का टाइम दिया है। पीड़ित कारोबारी ने सोनीपत पुलिस और आला अधिकारियों को इसकी शिकायत दी है। शिकायत देकर सुरक्षा की मांग की है। जानकारी के अनुसार रोहित गोदारा गैंग के सक्रिय सदस्य और शूटर महेंद्र ढीढलाना ने वीरेंद्र पहल को फोन कर जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि कॉल के साथ एक ऑडियो रिकॉर्डिंग भी भेजी गई, जिसमें साफ तौर पर 2 करोड़ रुपये की रंगदारी की मांग की गई और रकम न देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई।

बहालगढ़ में स्थित है मुख्य स्टोर

पहल न्यूट्रीशन का मुख्य स्टोर सोनीपत के बहालगढ़ क्षेत्र में स्थित है। यह ब्रांड देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी तेजी से विस्तार कर चुका है। कंपनी के करीब 130 स्टोर विभिन्न राज्यों और देशों में संचालित बताए जा रहे हैं, जिससे यह मामला और भी संवेदनशील बन गया है।

हरियाणवी सितारों से कराते हैं प्रमोशन

पहल न्यूट्रीशन ब्रांड की पहचान बड़े स्तर पर हरियाणवी फिल्म और म्यूजिक इंडस्ट्री के नामचीन सितारों से कराए जाने वाले प्रमोशन से भी है। सोशल मीडिया और पब्लिक इवेंट्स के जरिए ब्रांड लगातार फेमस हो रहा है, जिसे देखते हुए फिरौती मांगने की आशंका और गहरी हो गई है।

कल तक का टाइम है, वापस फोन कर लेना

वीडियो में कहा, के हाल-चाल है तेरा? महेंद्र बोल रहा हूं, ढीढ़लाना...रोहित गोदारा ग्रुप से। तेरे को 2 करोड़ रुपए की फिरौती के लिए कॉल किया है? जैसे ही यह वॉयस सुन तो वापस कॉल लगा लेना। तेरे पास कल तक का टाइम है, वापस फोन लगा लेना। भाई बनकर चल लेना और वापस कॉल कर लेना। भाई बनकर चलेगा तो ठीक है, वरना ठीक नहीं होगा। वीरेंद्र पहल का कहना है कि इस मामले में डीसीपी प्रबीना पी को शिकायत देकर सुरक्षा की मांग की है। पुलिस ने अपनी प्राइवेट सिक्योरिटी रखने को कहा है, लेकिन हमें किसी प्राइवेट एजेंसी पर भरोसा नहीं है। उन्हें अलग-अलग नंबरों पर धमकी मिली है। पुलिस को ऑडियो रिकॉर्डिंग भी सौंप दी है।

10 दिनों के भीतर 5,000 से ज्यादा उड़ानें हो गईं थीं रद्द

दूसरी रिपोर्ट में दावा- क्रू की कमी नहीं, रोस्टर में गड़बड़ी थी

इंडिगो संकट : जांच पैनल ने 22 दिन में सौंपी रिपोर्ट, खुलासा नहीं

नई दिल्ली। इंडिगो में बड़े पैमाने पर फ्लाइट कैंसिलेशन की जांच करने वाले पैनल ने शाम अपनी रिपोर्ट एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए को सौंप दी है। इस कमेटी को 22 दिन पहले 5 दिसंबर को बनाया गया था। हालांकि रिपोर्ट्स में क्या लिखा है, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। सूत्रों के अनुसार डीजीसीए के एक अलग सिस्टमैटिक रिव्यू यानी एक तरह की जांच में कहा गया है कि इंडिगो ने नवंबर में अपने 307 एयरबस-विमानों के बेड़े को चलाने के लिए 4,575 पायलटों को नियुक्त किया था। यह ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस के तहत जरूरी 3,684 पायलटों की संख्या से 891 ज्यादा थे। इससे पता चलता है कि क्रू की कमी नहीं, बल्कि शेड्यूलिंग (रोस्टर) में गड़बड़ी की वजह से ही फ्लाइट्स कैंसिल हुईं।

ट्रैवल वाउचर जारी करना शुरू

इधर, इंडिगो ने फ्लाइट कैंसिलेशन प्रभावित यात्रियों को 10,000 के ट्रैवल वाउचर जारी करना शुरू कर दिया है। ये वाउचर 12 महीने तक वैध रहेंगे, जो इंडिगो की किसी भी फ्लाइट में इस्तेमाल किए जा सकेंगे। दरअसल, दिसंबर महीने की शुरुआत में इंडिगो की 10 दिनों के भीतर 5,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो गईं थीं, जिससे देश भर में हजारों यात्री फंस गए थे। वहीं, सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने यह पता लगाने के लिए एक सिस्टमैटिक रिव्यू का भी आदेश दिया था कि क्या एयरलाइन की तैयारी बदले हुए नियमों को लेकर पर्याप्त थी। यह समीक्षा नवंबर के आखिर से दिसंबर के मध्य तक यात्रियों को 1,500 करोड़ से अधिक की रिफंड राशि लौटाने के बाद शुरू की गई थी।

स्क्रीनिंग के दौरान गई थी महिला की जान...

पुष्पा-2 भगदड़ केस में चार्जशीट अभिनेता अल्लू अर्जुन आरोपी

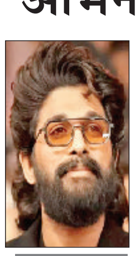

23 लोगों पर केस, अल्लू अर्जुन आरोपी नंबर 11

हैदराबाद। तेलंगाना पुलिस ने एक्टर अल्लू अर्जुन समेत 23 लोगों को भगदड़ का दोषी माना है। 100 पेज की चार्जशीट में नम्पल्ली कोर्ट में दाखिल करके कहा– मैनेजमेंट की कमी से भगदड़ मची थी। पिछले साल 4 दिसंबर 2024 को हैदराबाद के आरटीसी क्रॉस रोड स्थित संध्या थिएटर में पुष्पा 2: द रूल की प्रीमियर स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ मच गई थी। इसमें रेवती नाम की महिला की जान चली गई थी। उसका 8 साल का बेटा श्रीतेज गंभीर घायल हुआ था। चार्जशीट में थिएटर मैनेजमेंट को मुख्य आरोपी ठहराया, क्योंकि अलग एंट्री-एग्जिट न होने और भीड़ नियंत्रण की कमी थी। अल्लू अर्जुन आरोपी नंबर 11 हैं, साथ ही उनके प्राइवेट सिक्योरिटी स्टाफ, मैनेजर, 3 मैनेजर और 8 बाउंसर शामिल हैं।

अरिस्टा नेटवर्क्स की प्रेसिडेंट और सीईओ...

भारतीय मूल की जयश्री उल्लाल दुनिया की 'सबसे अमीर सीईओ'

उल्लाल की नेटवर्थ 50170 करोड़ रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। जब भी भारतीय मूल सबसे अमीर एग्जीक्यूटिव्स के बारे में बात आती है तो आपके ध्यान में सत्य नडेला और सुंदर पिचाई जैसे लोगों का नाम आता है। लेकिन, इसके बावजूद, नडेला और पिचाई में से कोई भी भारतीय मूल के टॉप सीईओ लिस्ट में पहले पायदान पर नहीं है। जी हां, ये ताज, अरिस्टा नेटवर्क्स की प्रेसिडेंट और सीईओ जयश्री उल्लाल को मिला है। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 के अनुसार अब अरिस्टा नेटवर्क्स प्रेसिडेंट और सीईओ जयश्री उल्लाल दुनिाय की सबसे अमीर भारतीय सीईओ हैं। उल्लाल की नेट वर्थ 50170 करोड़ है। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ नडेला 9770 करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर हैं और गूगल के पिचाई 5810 करोड़ रुपए के साथ सातवें स्थान पर हैं।

अध्यक्ष बनते हैं तो वे इस पद पर पहुंचने वाले सबसे युवा होंगे

नितिन नबीन बन सकते हैं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष 18 जनवरी से शुरू होंगे चुनाव, 20 को होगा ऐलान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है। पार्टी सूत्रों के हवाले से यह खबर दी गई है। सूत्रों के अनुसार उनकी नियुक्ति का ऐलान 20 जनवरी को किया जा सकता है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 18 से 20 जनवरी के बीच पूरी होने की संभावना है। नितिन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाता है तो वे इस पद पर पहुंचने वाले सबसे युवा होंगे। उनका कार्यकाल जनवरी 2029 तक रहेगा।

देशभर के प्रदेश अध्यक्षों को दिल्ली बुलाने की तैयारी

2029 में लोकसभा चुनाव प्रस्तावित होने के कारण उनका कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। पार्टी देशभर के प्रदेश अध्यक्षों को 15 जनवरी के बाद दिल्ली बुलाने की तैयारी में है। इससे पहले 2028 जेपी नड् डा को भी कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। बाद में उन्हें ही स्थायी अध्यक्ष बनाया था।

संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया आधे से ज्यादा राज्यों में पूरी

ऐसे चलेगी प्रक्रिया : भाजपा संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया पार्टी शासित आधे से ज्यादा राज्यों में पूरी हो चुकी है। 37 में से 29 राज्यों में आंतरिक चुनावों को अंतिम रूप दे दिया गया है। इन राज्यों के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ही राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नितिन नबीन के समर्थन में नामांकन पत्रों का एक सेट जमा करेंगे। इसके अलावा भाजपा की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य भी नितिन नबीन के पक्ष में एक अलग सेट में नामांकन दाखिल करेंगे।

नबीन एकमात्र उम्मीदवार

सूत्रों ने बताया कि नितिन नबीन के समर्थन में दाखिल नामांकन पत्रों पर पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दस्तखत भी होंगे। सूत्रों का दावा है कि नितिन नबीन ही एकमात्र उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल करने वाले हैं, इसलिए भाजपा के मुख्य चुनाव अधिकारी के. लक्ष्मण नामांकन पत्रों की जांच के बाद उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने की औपचारिक घोषणा कर सकते हैं। इस मौके पर भाजपा शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और प्रदेश अध्यक्षों को दिल्ली में मौजूद रहने के निर्देश दिए गए हैं। बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को 14 दिसंबर को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी बनाया गया था।

खबर संक्षेप

महिला के फोन पर उसके अश्लील फोटो भेजे

गोहाना। क्षेत्र की एक महिला के पास उसके मोबाइल पर उसके अश्लील फोटो भेज दिए। इस पर महिला ने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने केस दर्ज करके जांच के लिए दोनों के मोबाइल कब्जे में ले लिए। पुलिस जांच करेगी फोटो एआई से संशोधित हैं या असल हैं। महिला ने पुलिस को बताया कि उसके मोबाइल पर गांव के ही एक व्यक्ति ने फोटो भेजे। फोटो अश्लील थे और उसके लग रहे थे। वह फोटो देखकर हैरानी में पड़ गई। महिला का आरोप है कि उसे बदनाम करने के लिए यह सब किया गया है। महिला ने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने जांच के लिए महिला और आरोपितों के मोबाइल कब्जे में ले लिए। पुलिस जांच करेगी कि ये फोटो असल के हैं या इन्हें एआई की सहायता से संशोधित किया गया।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

खरखौदा। दुर्घटना में मौके पर मौजूद दोनों वाहन। फोटो : हरिभूमि

खरखौदा। सांपला मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक निजी स्कूल वैन और बाइक की टक्कर हो गई। जिसमें बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान रोहतक के सूर्य नगर निवासी 25 वर्षीय प्रवीण के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा दुर्घटना की जांच की जा रही है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

एक्शन में फतेहाबाद पुलिस : नशे की ओवरडोज से युवकों की मौत के बाद सर्च अभियान

नशे पर सख्ती, रतिया को घेरा घर-घर जाकर ले रहे तलाशी

एसपी ने कई पुलिस कर्मचारियों के किए तबादले, क्षेत्र में नशे की सप्लाई चेन तोड़ना लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ▸▸। फतेहाबाद/रतिया

रतिया क्षेत्र में नशे के कारण युवाओं की मौत के बढ़ते मामलों के बाद रतिया पुलिस एक्शन में आ गई है। पुलिस ने शनिवार को रतिया क्षेत्र को पूरी तरह से घेर लिया और नशे के खिलाफ अभियान चलाया। इसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतिया दिव्यांशी सिंगला के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने रतिया क्षेत्र की सभी कालोनियों में दबिश दी। पुलिस को आशंका थी कि इन कालोनियों में लोग नशे की सप्लाई चैन से जुड़े हैं। पुलिस ने दो युवकों को नशीली गोलियों के साथ गिरफ्तार किया है। वहीं संदिग्धों के घर-घर जाकर तलाशी ली। पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे नशे के खिलाफ जागरूक हों और नशा बेचने वालों और नशा करने वालों की जानकारी पुलिस को दें। वहीं, फतेहाबाद के एसपी सिद्धांत जैन ने एंटी नारकोटिक्स सेल में बड़े पैमाने पर तबादले किए हैं।

30 बेड का नशा मुक्ति केंद खोलने की मांग

नशा मुक्ति टीम सदस्यों ने कहा कि इस अपूरणीय क्षति की भरपाई संभव नहीं है, लेकिन नशा मुक्ति टीम का हर साथी हर परिस्थिति में पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है। टीम ने जिला प्रशासन व हरियाणा सरकार से मांग की कि रतिया के सरकारी हस्तपाल में तुरंत प्रभाव से 30 बेड की नशा मुक्ति केंद्र खोला जाए ताकि इलाके के युवाओं को नशा छुड़वाया जा सके। नशामुक्ति टीम सदस्य शर्माचंद लाली ने कहा कि नशे के खिलाफ प्रशासन द्वारा चलाए जाने वाले अभियान में रतिया नशा मुक्ति टीम अग्रणी भूमिका अदा करेगी। उन्होंने कहा कि आज के दिन रतिया इलाके के हजारों युवा नशा की चपेट में है उनमें से काफी बच्चे ऐसे हैं जिन्हें अगर नशा केंद्र की सुविधा मिल जाए तो यह युवा नशे की लत से बाहर आ सकते है।

इन पुलिस कर्मियों के तबादले

फतेहाबाद के एसपी सिद्धांत जैन ने नशा विरोधी मुहिम को तेज करने के लिए एंटी नारकोटिक्स सेल में बड़े पैमाने पर तबादले किए हैं। इसके तहत इंस्पेक्टर प्रहलाद राय, इंस्पेक्टर यादविंदर सिंह, एएसआई मेजर सिंह, भूपेंद्र सिंह, पवन कुमार, शिशपाल, दयाराम, कश्मीर सिंह, राजविंद्र, विरेंद्र, आनन्द, रविंद्र, एसआई हंसराज, एसआई रमेश कुमार, एसआई पुरुषोतम, एएसआई शीशपाल, एएसआई दसबीर और एएसआई जितेंद्र सिंह के ट्रांसफर किए गए हैं।

दो युवक नशा पीड़ित केंद्र में भर्ती

केंद्र इंचार्ज डॉ. दीप से ड्रग पीड़ितों के उपचार, दवाइयों की उपलब्धता व भर्ती व्यवस्था को लेकर विचार-विमर्श किया। शनिवार को इस केंद्र में एक नशा पीड़ित को भर्ती किया गया है। वहीं, भट्टूकलां पुलिस ने भी नशे के गिरफ्त में फंसे युवक अंकुश को चिन्हित कर पुनर्वास के लिए नशा मुक्ति सेंटर में दाखिल करवाया।

एक युवक अस्पताल में भर्ती: पुलिस चौकी नागपुर में तैनात सहायक उपनिरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि एक नशा पीड़ित गुर्जर को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल रतिया के नशा मुक्ति केंद्र में उपचार के लिए भर्ती करवाया है। इस दौरान पुलिस ने युवक के परिजनों से भी संपर्क किया गया और उन्हें पूरी जानकारी दी।

नशामुक्ति केन्द्र और संवेदनशील वार्ड खंगाले

पुलिस ने बालाजी नशा मुक्ति केंद्र, रतिया का दौरा किया व जानकारी जुटाई। यहां उपलब्ध चिकित्सीय सुविधाओं और देखभाल व्यवस्था जांची। पुलिस ने केंद्र प्रबंधन को उपचार की गुणवत्ता व मरीजों की नियमित काउंसलिंग पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। एएसपी ने रतिया के संवेदनशील वार्ड नंबर 3, 4, 5 व 12 का दौरा किया, जहां उपचाराधीन तथा नशा मुक्ति टीम के प्रयासों से नशा छोड़ चुके कई पीड़ितों के घरों में जाकर व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की।

नशीली गोलियों सहित दो युवक पकड़े

सीआईए रतिया एवं सीआईए फतेहाबाद ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर दो युवकों को नशीली दवाओं सहित काबू किया है। सीआईए रतिया प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक रिछपाल ने बताया कि पुलिस टीम ने वार्ड नंबर-15 स्थित बीएसएनएल एक्सचेंज के नजदीक, नारायण सिंह उर्फ नैनी निवासी रतिया को पकड़ा है। उससे एटिजोलम की 40 गोलियां बरामद की गई। वहीं, सीआईए फतेहाबाद प्रभारी उपनिरीक्षक वेदपाल ने बताया कि पुलिस टीम ने जिंदल मेडिकल के सामने, रतिया से पुरूषोतम जैन निवासी अरोड़ा कॉलोनी, को काबू किया। उसके कब्जे से एटिजोलम की 20 गोलियां, ट्रामाडोल की 30 गोलियां और 7 ओपन टैबलेट्स मिली हैं।

खेलते समय बाल लगने से हुआ झगड़ा

रॉड और डंडों से हमला कर युवक की हत्या, एक घायल

बहादुरगढ़। युवक की मौत के बाद विलाप करते युवक के परिजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸। बहादुरगढ़

क्रिकेट खेल के दौरान हुए झगड़े ने शनिवार को खूनी रूप ले लिया। दर्जन से अधिक हमलावरों ने दो युवकों पर रॉड, डंडों से कातिलाना हमला कर दिया। हमले में नेपाल मूल के एक युवक की मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल एक युवक को पीजीआई रोहतक रेफर किया गया है। सेक्टर 6 थाना पुलिस और सीआईए की टीमों ने मामले में जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान करीब 23 वर्षीय आदर्श के रूप में हुई है। आदर्श मूलतः नेपाल से था और 2004 से परिवार सहित यहां रणजीत कॉलोनी में रह रहा था। जबकि घायल अफजल बिहार के दरभंगा जिले से है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को नहर के पीछे ग्राउंड (स्टार पिच) पर कुछ बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे। इस दौरान गेंद किसी युवक को लग गई थी। उस दौरान विवाद हुआ तो आदर्श ने बीच-बचाव किया था। उसी रंजिश में शुक्रवार रात को आदर्श के साथ घर में घुसकर मारपीट की। मामला

पुलिस ने केस दर्ज किया

फिलहाल नाम दीपांशु, पांडे, रुद्र, शिवम व राहुल आदि हमलावरों के नाम सामने आए हैं। आरोपियों तक पहुंचने के लिए पुलिस दबिश दे रही है। परिजनों के बयान के आधार पर पुलिस केस दर्ज करेगी। पुलिस का कहना है कि जल्द ही वारदात सुलझाई जाएगी।

■ आदर्श तीन भाई-बहनों में था सबसे बड़ा

यहीं तक नहीं थमा और शनिवार को इस झगड़े ने खूनी रंग ले लिया। देर रात को आदर्श, अफजल सहित कुछ अन्य युवक महावीर पार्क में नहर के पास थे। इसी दौरान छह-सात बाइकों पर सवार होकर डेढ़ दर्जन से अधिक हमलावर आए। आते ही उन्होंने आदर्श व अफजल पर रॉड, डंडों से हमला कर दिया। इसके बाद हमलावर फरार हो गए। हमले में दोनों को सिर सहित अन्य अंगों पर गंभीर चोट आई। आनन फानन में इन्हें नागरिक अस्पताल लाया गया, जहां आदर्श को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि अफजल को पीजीआई रेफर किया गया। वारदात के बाद अस्पताल में लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पाकर सेक्टर 6 थाना व सीआईए की टीमें मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की।

अच्छा मुनाफा कमाने का लालच देकर 23.89 लाख ठगे, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▸▸। फतेहाबाद

शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट कर अच्छा मुनाफा कमाने का लालच देकर साइबर ठगों ने फतेहाबाद के युवक से 23.89 लाख रुपये हड़प लिए। पुलिस को दी शिकायत में शहर की ठाकर बस्ती निवासी प्रदीप कुमार पुत्र संजय कुमार ने कहा है कि वह फतेहाबाद में ही प्राइवेट नौकरी करता है। 20-21 नवंबर को उसने अपने आप को एक व्हाट्सअप ग्रुप ए48 नादिर वर्मा लर्निंग नॉलेज एंड बुक रिलीज से जोड़ दिया गया। इसमें शेयर बाजार इन्वेस्टमेंट से संबंधित मैसेज व फोटोज आते रहे।

■ शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट करवाने का दिया लालच

शिकायतकर्ता के अनुसार वह रोज उस ग्रुप में आई शेयर बाजार की फोटोज व उनके दिए हुए लेसन प्लान की क्लास लगाता था। ग्रुप में बार-बार उनके द्वारा कहा जाता था कि आप जितना शेयर बाजार में इन्वेस्टमेंट करोगे तो आपको उतना ही फायदा होगा। प्रदीप के अनुसार उसने उनके द्वारा दिए गए ग्रुप के माध्यम से शेयर बाजार में 3 दिसंबर को 50 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। फिर उनके द्वारा रोज अलग-अलग रुपये इन्वेस्टमेंट के तरीके आते थे। उनके द्वारा हमारी अलग अलग प्रकार की रुपए इन्वेस्टमेंट करने की टीमें बना दी गई थी। इसके बाद उसे एक ऐप से जोड़ दिया गया, जो शेयर बाजार का मुनाफा दिखाती गई। इससे वह लालच में आता गया।

रिटायर्ड एयरफोर्स कर्मी के खाते से निकाले 14.56 लाख

यमुनानगर। साइबर ठगों ने रिटायर्ड एयरफोर्स कर्मी के बैंक खाते में फर्जी बेनिफिशियरी जोड़कर 14 लाख 56 हजार 110 रुपये निकाल लिए। पुलिस ने रिटायर्ड एयर फोर्स कर्मी की शिकायत पर अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार शहर की श्री राम पार्क निवासी 62 वर्षीय हरजिंदर कुमार ने साइबर क्राइम थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह एयरफोर्स सेवानिवृत्ति है। उसका एसबीआई रेलवे रोड ब्रांच में खाता है। उनके खाते में करीब 16 लाख रुपये एमओडी (मल्टी ऑप्शन डिपॉजिट) के रूप में जमा थे। 23 दिसंबर की शाम उनके मोबाइल पर बेनिफिशियरी जोड़ने का संदेश आया। उसने एसबीआई कस्टमर केयर के टोल फ्री नंबर पर कॉल की, जहां से संदेश डिलीट करने की सलाह दी गई। 24 दिसंबर की सुबह से उनके मोबाइल पर अलग-अलग नंबरों से लगातार बेनिफिशियरी जोड़ने के मैसेज आने लगे, जिन्हें वे डिलीट करता रहा।

घर से टहलने निकले युवक को चाकू घोंपकर मार डाला

पलवल। पलवल में युवक की गली में चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। युवक का शव सुबह कॉलोनी के चौक पर खून से लथपथ पड़ा मिला। परिजन ने बताया कि युवक खाना खाकर घर से बाहर टहलने के लिए निकला था, लेकिन रातभर घर नहीं लौटा। सुबह उसकी हत्या की सूचना मिली। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजन को शव सौंपा, लेकिन परिजन ने शव लेने से इनकार कर दिया। उनका कहना था कि पहले हत्यारों को गिरफ्तार किया जाएगा। उसके बाद शव लेंगे। मृतक की पहचान इस्लामाबाद के रहने वाले 26 वर्षीय रोहताश के रूप में हुई है। मृतक के भाई ने इस बारे में जानकारी दी।

■ शटरिंग का काम करता था मृतक

शटरिंग का काम करता था रोहताश: किठवाड़ी पुलिस चौकी प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि मृतक के भाई देवरतन ने पुलिस को शिकायत दी है। इसमें बताया कि वह शटरिंग का काम करता है। ये 5 भाई हैं। मृतक के भाई के मुताबिक, शनिवार सुबह करीब 6 बजे पड़ोसियों ने आकर बताया कि शिव मंदिर के पास चौक पर रोहताश खून से लथपथ पड़ा है। सूचना मिलते ही देवरतन, उनकी मां सोहनवती और अन्य परिजन मौके पर पहुंचे।

सूचना

मैं, सुनीता देवी पत्नी स्व. श्री सुभाष चन्द्र निवासी गांव रिढाना, तह. गोहाना, जिला सोनीपत, हरियाणा बयान करती हूं कि मेरे आधार कार्ड और वोटर कार्ड में मेरा नाम सुनीता और मेरे पति का नाम सुभाष चंद दर्ज है। सीजीएचएस कार्ड रिकार्ड और मेरे पति के पी.पी.ओ. नं. 240551057964 में मेरा नाम सुनीता देवी और मेरे पति का नाम सुभाष चन्द्र दर्ज है। अब मैं अपना नाम सुनीता देवी और मेरे पति का नाम सुभाष चन्द्र करवाना चाहती हूं। भविष्य में हमें इन्हीं नामों से जाना जाए।

PUBLIC NOTICE
CORRIGENDUM

It is informed to the general public that in the advertisement of our institution which was published in The Times of India, Dainik Savera Times & Hari Bhoomi Newspaper on dated 21 December 2025 (Sunday) wrongly entered the name of advertisement given by the Principal while it was given by the President. So it has to be considered as President.
President
Maharana Partap Mahila Mahavidyalya
Near Huda Sector-23, Paluwas,
Bhiwani-127021(Haryana) M. 93158-28000

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Sh. Kuldeep Singh
Additional District and Sessions
Judge,Principal Judge, Family Court, Sonipat
Sahil
Vs.
Nidhi
CNR No. HRSO01-011225-2025
Next Date : 04.02.2026
DMC/911/2025

It is, therefore, prayed that In view of the facts and circumstances mentioned above and taking the sentiments of the petitioner, the Honble Court may kindly be pleased to passed a decree of divorce u/s 13 (1) (I-a) of Hindu Marriage Act, dissolving the marriage between the parties to the petition, in the interest of Justice and equity. Any other relief which this Ld. Court may deem fit and proper in the circumstances of the case may also be granted to the petitioner.
PUBLICATION ISSUED TO :-
Nidhi wife of Sahil and daughter of Shri Krishan R/o Village Nangal, near Kings-Berry Road, near Park, Sub Tehsil Rai, Distt. Sonipat
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on **04.02.2026 at 10:00 a.m.**
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Sonipat
Sd/- (Kuldeep Singh)
Additional District and Sessions
Judge,Principal Judge, Family Court, Sonipat
Dated, this day of 24.12.2025

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Sh. Kuldeep Singh
Additional District and Sessions
Judge,Principal Judge, Family Court, Sonipat
Rajiv Dhingra
Vs.
General Public
CNR No. HRSO01-010517-2025
Next Date : 02.02.2026
GW/292025

It is, therefore prayed that appointment the petitioner, as the guardian of the person and property of the minor Myra, in accordance with the provisions of the guardian and Ward Act 1890 and pass any other order which the Honable Court may deem fit and proper in the interest of justice and for the welfare of the minor.
PUBLICATION ISSUED TO :-
General Public
:-
General Public
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on **02.02.2026 at 10:00 a.m.**
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Sonipat
Sd/- (Kuldeep Singh)
Additional District and Sessions
Judge,Principal Judge, Family Court, Sonipat
Dated, this day of 24.12.2025

राशिफल

मेष — संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष — खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

सिंह — कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या — कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।

तुला — लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

वृश्चिक — संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेंगे।

धनु — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर — आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ — क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

मीन — किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

उपलब्धि | कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने दी बधाई

गुजवि ने की यूआई ग्रीनमेट्रिक रैंकिंग 2025 में देश में 29वीं रैंक हासिल

छह मापदंडों के आधार पर जारी की जाती है यह रैंकिंग

हरिभूमि न्यूज ▸▸। हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा संस्थानों में स्थिरता प्रथाओं के विश्व के सबसे सम्मानित वैश्विक मूल्यांकन में से एक, यूआई ग्रीनमेट्रिक विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग 2025 में सराहनीय प्रदर्शन करके अग्रणी हरित विश्वविद्यालय के रूप में अपनी स्थिति को फिर से मजबूत किया है।

विश्वविद्यालय ने इंडोनेशिया के जकार्ता द्वारा यूआई ग्रीनमेट्रिक विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग 2025 में भारत में 29वीं और विश्व में 680वीं रैंक हासिल की है। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने विवि के सभी छात्रों, शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों तथा गैरशिक्षक कर्मचारियों को इस अंतरराष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि 2025 रैंकिंग में भागीदारी गुजविप्रौवि की पर्यावरण-अनुकूल कैम्पस बनाने और वैश्विक स्थिरता लक्ष्यों में सार्थक योगदान देने की निरंतर समर्पण को दर्शाती है। प्रो. बिश्नोई ने यह भी बताया कि यह रैंकिंग छह मापदंडों पर आधारित है, जिनमें सेटिंग्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर (एसआई), ऊर्जा एवं जलवायु परिवर्तन (ईसी), अपशिष्ट (डब्ल्यूएस), जल (डब्ल्यूआर), परिवहन (टीआर) तथा शिक्षा एवं अनुसंधान (ईडी) शामिल हैं। इनका कुल स्कोर 10000 है और विश्वविद्यालय ने एसआई में 1050, ईसी में 1175 अंक हासिल किए हैं।

■ यह रैंकिंग गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के समर्पण का परिणाम

शब्द पहेली - 6091

बाएँ से दाए-

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली -6090 का हल

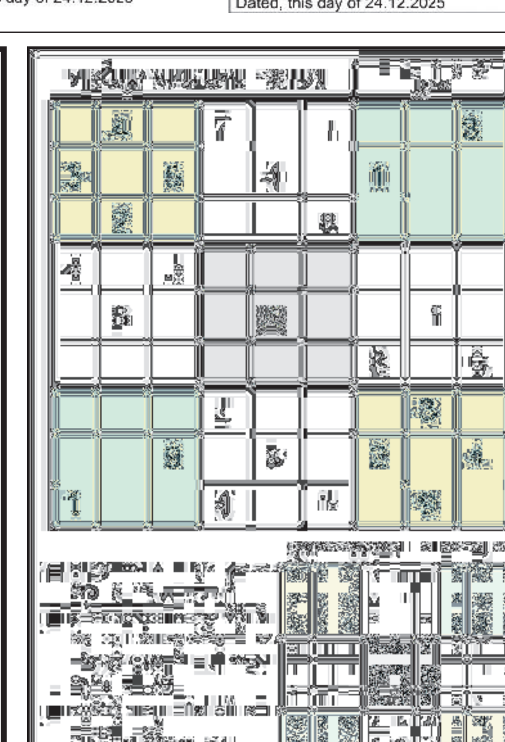

महाराष्ट्र का सियासी रण

पुणे में ठाकरे ब्रदर्स के साथ कांग्रेस की दोस्ती, मुंबई में किया किनारा

इस चुनाव में गठबंधन के सारे समीकरण हो गए हैं उलट-पुलट

बीजेपी के अगुवाई वाले महायुति और विपक्षी महाविकास अघाड़ी दोनों में टूट

बीएमसी और पीएमसी चुनाव में तीन गठबंधन आजमा रहे किस्मत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

महाराष्ट्र में हो रहे बीएमसी सहित 29 नगर निगम चुनाव में गठबंधन के सारे समीकरण को उलट-पुलट कर रख दिया है। बीजेपी के अगुवाई वाले महायुति और विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी दोनों में टूट पड़ गई है। इस तरह राज्य में एक नया तीसरा गठबंधन भी आकार लेता दिख रहा है। बीजेपी ने एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ अपनी दोस्ती बनाए रखी तो अजित पवार की एनसीपी से किनारा कर लिया। ऐसे में अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार की पार्टी से हाथ मिला लिया है। मुंबई में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के गठबंधन पर महायुति से अलग होने वाले कांग्रेस ने पुणे उसी ठाकरे ब्रदर्स के साथ हाथ मिला लिया है। मुंबई का नगर निगम, जिसे बीएमसी के नाम से जाना जाता है। इसी तरह के पुणे नगर निगम को पीएमसी के नाम से जाना जाता है। इन दोनों बड़े शहरों में तीन-तीन गठबंधन चुनावी मैदान में किस्मत आजमा रहे हैं।

ठाकरे ब्रदर्स के साथ आई कांग्रेस

इधर, पुणे में बीजेपी और शिंदे का तो अजित पवार का शरद पवार के साथ बनती सियासी केमिस्ट्री को देखते हुए कांग्रेस ने ठाकरे ब्रदर्स के साथ गठबंधन करने का फैसला किया है जबकि मुंबई के बीएमसी चुनाव में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के गठबंधन से कांग्रेस ने किनारा लिया है, लेकिन पुणे के पीएमसी चुनाव में ठाकरे ब्रदर्स के साथ मिलकर चुनाव लड़ने पर रजामंदी दे दी है। पुणे नगर निगम चुनाव में कांग्रेस अब उद्धव की शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के साथ किस्मत आजमाएंगी। महाराष्ट्र में स्थानीय स्तर पर तीसरा गठबंधन कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के साथ बनता दिख रहा है। कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि पुणे में पार्टी अजित पवार गुट के साथ गठबंधन नहीं करेगी।

बीजेपी-शिंदे का पहला गठबंधन

महाराष्ट्र में सीएम देवेंद्र फड़णवीस के नेतृत्व वाले महायुति में बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी शामिल है। तीनों ही दल मिलकर 2024 का लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़े थे, लेकिन नगर निगम चुनाव में यह दोस्ती बिखर गई है। बीएमसी सहित राज्य के बाकी के नगर निगम चुनाव में बीजेपी ने अजित पवार से किनारा कर लिया है। बीजेपी ने एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ मिलकर बीएमसी सहित 29 नगर निगम का चुनाव लड़ रही है, लेकिन अजित पवार की एनसीपी इस चुनाव में महायुति का हिस्सा नहीं है।

अजित से नहीं बनी बात, शरद गुट फिर एमवीए में करेगा वापसी

महाराष्ट्र में पुणे महानगरपालिका (पीएमसी) चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-एसपी) ने अजित पवार गुट के साथ गठबंधन की बातचीत टूटने के बाद महाविकास आघाड़ी (एमवीए) से फिर वार्ता शुरू कर दी है। पार्टी नेताओं की देर रात तक चली मैराथन बैठकों के बाद यह फैसला लिया गया। पिछले सात दिनों से दोनों एनसीपी गुटों के बीच पीएमसी चुनाव के लिए संभावित गठबंधन पर चर्चा चल रही थी, लेकिन बातचीत अंततः असफल रही। सूत्रों का कहना है कि अजित पवार ने जोर दिया कि शरद पवार गुट के समर्थित उम्मीदवार केवल 'घड़ी' चुनाव चिह्न पर ही चुनाव लड़ें। साथ ही उन्होंने एनसीपी-एसपी की 68 सीटों की मांग भी खारिज कर दी।

राहुल भारत विरोधी वैश्विक साजिश के स्थायी प्रतिनिधि बने

सुधांशु ने पुतिन और पित्रोदा के बयानों का किया जिक्र

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा सांसद और पार्टी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राहुल गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधा। त्रिवेदी ने राहुल पर भारत विरोधी गठबंधन का हिस्सा होने का आरोप लगाया। त्रिवेदी ने कहा कि सैम पित्रोदा ने एक इंटरव्यू में कहा था कि कांग्रेस पार्टी ग्लोबल प्रोग्रेसिव अलायंस का हिस्सा है और उसी में भाग लेने के लिए राहुल गांधी जर्मनी गए थे। पित्रोदा ने कहा कि राहुल गांधी इस अलायंस के सह-अध्यक्ष हैं और वे खुद इसके सदस्य हैं। त्रिवेदी ने कहा कि ग्लोबल प्रोग्रेसिव अलायंस भारत विरोधी गतिविधियों से जुड़ा है। त्रिवेदी ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की किताब का हवाला देकर राहुल की समझ पर सवाल उठाया। साथ ही, पित्रोदा के एक बयान पर त्रिवेदी ने कांग्रेस को भारत विरोधी वैश्विक साजिश का

सैम ने कांग्रेस को ग्लोबल प्रोग्रेसिव अलायंस का हिस्सा बताया

पुतिन का जिक्र कर राहुल पर की आरोपों की बौछार

भाजपा सांसद और प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी

भाजपा ने कहा कि हाल ही में राहुल ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से उनकी मुलाकात न होने पर आपत्ति जताई थी। लेकिन मुलाकात सिर्फ मेजबान देश ही तय नहीं करता, बल्कि मेहमान देश भी तय करता है। राहुल से पूछना चाहते हैं अभी आप जर्मनी गए थे, तो उन्होंने एक संस्थान में भारत विरोधी बयान दिया, लेकिन वह संस्थान रूस में प्रतिबंधित है।

सोरोस ने राष्ट्रवादी ताकतों को हराने 10 लाख डॉलर का फंड दिया...

जॉर्ज सोरोस का जिक्र कर भाजपा ने कहा कि 23 जनवरी 2020 को दावोस में सोरोस ने कहा था कि दुनिया में सिविल सोसाइटी को फिर से स्थापित करने और राष्ट्रवादी ताकतों को हराने के लिए 10 लाख डॉलर का फंड खर्च करने का ऐलान किया था और प्रधानमंत्री मोदी का नाम साफ तौर पर लिया था। राहुल को कांग्रेस के द्वारा सत्ता पाने की संभावनाएं खत्म होती नजर आ रही हैं। वे भारत विरोधी ताकतों की मदद से सत्ता पाने का दिवा-स्वप्न देख रहे हैं।

विजयन को शिवकुमार ने दी नसीहत

हकीकत जाने बिना हमारे राज्य के मामले में 'वे' दखल न दें

अवैध झुग्गियों को तोड़ा गया

सीएम विजयन

डीके शिवकुमार

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को केरल के मुख्यमंत्री को उत्तरी बेंगलुरु में चल रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान में हस्तक्षेप न करने की सलाह दी। केरल के सीएम पिनरई विजयन ने शुक्रवार को कर्नाटक की राजधानी में मुस्लिम आवासीय क्षेत्रों को कथित तौर पर ध्वस्त किए जाने की कड़ी निंदा करते हुए इस कार्रवाई को चौंकाने वाला और पीड़ादायक बताया था। उन्होंने कहा था कि फकीर कॉलोनी और वसीम लेआउट में वर्षों से रह रहे मुस्लिम परिवारों के घर गिराए जाना दर्दनाक और चौंकाने वाला है। यह पूरी तरह एक राजनीतिक बयान है। बिना तथ्य जाने पिनरई विजयन को हमारे राज्य के मामलों में दखल नहीं देना चाहिए। यह चुनाव के समय किया गया राजनीतिक हथकंडा है।

वह अधिसूचित जमीन थी

शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि जिस जमीन पर झुग्गियां बनी थीं, वह ठोस कचरा प्रबंधन के लिए नौ साल पहले अधिसूचित की गई थी। उन्होंने कहा कि यह जगह एक पुरानी खदान और कचरा डंपिंग साइट है, जो बेहद खतरनाक और स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने रातों-रात अवैध रूप से कब्जा कर लिया। यह जमीन हड़पने का मामला है। इसमें किसी समुदाय को निशाना बनाने की बात बिल्कुल गलत है।

बुलडोजर का नहीं किया गया इस्तेमाल

डीके ने कहा कि इस कार्रवाई में किसी भी तरह के बुलडोजर का इस्तेमाल नहीं किया गया। हमने सिर्फ सार्वजनिक जमीन की रक्षा की है। यह शहर के बीचों-बीच स्थित कचरा प्रबंधन की जगह है। हम ऐसे अवैध स्लम को बढ़ावा नहीं देंगे।

जबरन अतिक्रमण किया गया था

शिवकुमार के अनुसार अधिकतर अतिक्रमणकारी बाहरी लोग हैं और कुछ ही स्थानीय हैं। उन्होंने बताया कि यह इलाका ब्यातरायनपुरा विधानसभा क्षेत्र में आता है, जहां से राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा विधायक हैं। उन्होंने कहा कि वह वरिष्ठ और अनुभवी नेता हैं और उन्होंने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए थे कि किसी भी तरह की भूमि हड़पने की कोशिश न होने दी जाए।

एम्स ऋषिकेश में भर्ती कुख्यात त्यागी की मौत

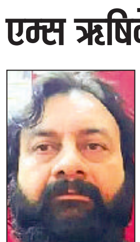

ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश में भर्ती कुख्यात विनय त्यागी की उपचार के दौरान शनिवार को घटना के तीसरे दिन मौत हो गई। उसका ट्रॉमा सेंटर मे उपचार चल रहा था। पुलिस अभिरक्षा में कोर्ट में पेशी पर जाते समय बदमाशों ने पुलिस के वाहन पर फायरिंग की थी। त्यागी के सीने, हाथ और गले में गोली लगी थी। एम्स के पीआरओ श्रीलॉय मोहंती ने मौत की पुष्टि की है।

असम में 40% बांग्लादेशी

प्रदेश की मूल पहचान खतरे में, राज्य बारूद के ढेर पर

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने एक कार्यक्रम में दावा किया कि

राज्य की कुल जनसंख्या में से 40 फीसदी बांग्लादेशी मुस्लिम हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य में 34 प्रतिशत मुस्लिम आबादी थी, 3 फीसदी असमी मुस्लिम थे, तो बांग्लादेशी मूल के मुस्लिमों की जनसंख्या करीब 34 प्रतिशत थी। यह चिंतनीय है।

यहां के हालात को बताया चिंताजनक

सरमा ने हाल ही में एक मीडिया कार्यक्रम के दौरान भी यही बात कही थी और कहा कि असम एक बारूद के ढेर पर बैठा है, जहां बांग्लादेशी मूल के लोगों की आबादी 40 प्रतिशत तक पहुंच गई है। सरमा ने कहा कि चिंताजनक बात ये है कि इन लोगों को भारत में अब वैधता मिल चुकी है। राज्य की मूल पहचान खतरे में है। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ असम बल्कि पूरे देश की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय हो सकता है।

हरियाणा सरकार

"हमारी सरकार सभी श्रमिकों के लिए एक उदार और व्यापक सामाजिक सुरक्षा तंत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।"
- नरेन्द्र मोदी

निर्माण श्रमिकों के लिए निर्वाह भत्ता योजना

• क्या आप निर्माण गतिविधियों में संलग्न हैं?
• क्या वायु प्रदूषण के कारण निर्माण गतिविधियों के बंद होने से आपका रोज़गार प्रभावित हुआ है?

एन.सी.आर. क्षेत्र में निर्माण गतिविधियों के बंद होने से प्रभावित पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को निर्माण कार्य बंद रहने तक हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा प्रति सप्ताह 2602 रुपये की आर्थिक सहायता (निर्वाह भत्ता) प्रदान की जा रही है।

प्रभावित पंजीकृत निर्माण श्रमिक बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट www.hrylabour.gov.in पर या नज़दीकी हेल्पडैस्क पर आवेदन करें।

अधिक जानकारी के लिए श्रमिक सहायता सेवा पर संपर्क करें:
हेल्पलाइन नंबर : 1800-180-2129

पंजीकरण के लिए अपने नजदीकी हेल्पडैस्क पर जाएं

- पंचायत भवन, पहली मंज़िल, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, भिवानी, हरियाणा
- कक्ष संख्या 205, दूसरी मंज़िल, श्रम न्यायालय, सैक्टर-12, फरीदाबाद
- कक्ष संख्या 404, चौथी मंज़िल, मिनी सचिवालय, राजीव चौक, गुरुग्राम
- कक्ष संख्या 110, उपायुक्त कार्यालय, नई इमारत, प्रथम तल, जींद
- मिनी सचिवालय, ब्लॉक संख्या 2, कक्ष संख्या 3, प्रथम तल, सैक्टर-12, करनाल
- पुरानी अनाज मंडी, मार्केट कमेटी कार्यालय, नारनौल
- कक्ष संख्या 505, पांचवीं मंज़िल, मिनी सचिवालय, पानीपत
- मिनी सचिवालय, छठी मंज़िल, पानीपत
- कक्ष संख्या 505, पांचवीं मंज़िल, मिनी सचिवालय, पानीपत
- 329-एल, ऊर्जा पार्क के सामने, गुरु चौक, मॉडल टाउन, रेवाड़ी
- कक्ष संख्या 1, पहली मंज़िल, पुरानी इमारत, मिनी सचिवालय, सोनीपत स्टैंड, रोहतक
- सरकारी पुस्तकालय के पास श्रम कार्यालय, रोहतक रोड, गुहड़ मंडी, सोनीपत

निर्वाह भत्ता, प्रभावित श्रमिकों के आधार से जुड़े बैंक खाते में डी.बी.टी. के माध्यम से वितरित किया जाएगा।

भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड, हरियाणा

अरावली पहाड़ियों से जुड़ा मुद्दा इन दिनों केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह एक बड़े सामाजिक–राजनीतिक आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल इसे पर्यावरण संरक्षण का गंभीर सवाल बता रहे हैं, जबकि केंद्र सरकार इसे खनन माफिया पर सख्त प्रहार के रूप में पेश कर रही है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा से यह सवाल उठ रहा था कि क्या अरावली के माध्यम से खनन उद्योग को गति प्रदान की कोशिश हो रही है ? हालांकि सरकार यह प्रदर्शित कर रही है कि वह खनन को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है, लेकिन क्या इन प्रयासों से वास्तव में नियमानुसार खनन हो पाएगा ? माना जा रहा है कि अरावली की नई परिभाषा से इन पहाड़ियों में खनन और तेज हो जाएगा और पहाड़ियां खत्म होने के कगार पर पहुंच जाएंगीं। यह थार रेगिस्तान को पूर्वी भारत की ओर बढ़ने से रोकने में एक प्राकृतिक दीवार की तरह काम करती है। यही कारण है कि इसे उत्तर भारत का "रक्षा कवच" भी कहा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार अरावली पर्वत श्रृंखला केवल जीव-जंतुओं के लिए ही नहीं, बल्कि इंसानों के लिए भी एक लाइफ लाइन है। अब सबसे अहम यह है कि क्या सचमुच अरावली का भविष्य सुरक्षित है? इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

अरावली के अस्तित्व पर संकट

विश्लेषण

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

देश में बढ़ते विकास के बीच जंगल, पहाड़ अक्सर अपनी कुर्बानी देते हैं भारत में इसका सबसे ताजा उदाहरण अरावली है जो विकास बनाम पर्यावरण के बीच खड़ी है। करीब 690 किलोमीटर लंबी अरावली, जो गुजरात से शुरू होकर राजस्थान और हरियाणा होते हुए दिल्ली तक फैली है। इसने सदियों से उत्तर-पश्चिमी भारत में जलवायु संतुलन और बायोडायवर्सिटी को बचाए रखा है। आज अरावली एक बार फिर विकास, पर्यावरण संरक्षण और कानून के टकराव के बीच में खड़ी है। अरावली का महत्व सिर्फ पहाड़ों तक सीमित नहीं है। यह थार रेगिस्तान को पूर्वी भारत की ओर बढ़ने से रोकने में एक प्राकृतिक दीवार की तरह काम करती है। यही कारण है कि इसे उत्तर भारत का "रक्षा कवच" भी कहा जाता है। पर्यावरण के लिहाज से अरावली भूजल को रिचार्ज करने में मदद करती है, जिससे राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर में पानी का संतुलन बना रहता है।

करीब 690 किलोमीटर लंबी अरावली, जो गुजरात से शुरू होकर राजस्थान और हरियाणा होते हुए दिल्ली तक फैली है। इसने सदियों से उत्तर-पश्चिमी भारत में जलवायु संतुलन और बायोडायवर्सिटी को बचाए रखा है। आज अरावली एक बार फिर विकास, पर्यावरण संरक्षण और कानून के टकराव के बीच में खड़ी है। आज, अरावली रेंज खतरे में है। अवैध माइनिंग ने 20 फीसदी इलाके को नष्ट कर दिया है। वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया है कि यहां के जंगलों को बचाना और उनका विस्तार करना बहुत ज़रूरी है। माइनिंग को कंट्रोल करना भी ज़रूरी है

प्रदूषण रोकने में मददगार

ये पहाड़ियां धूल भरी आंधियों को रोकती हैं और प्रदूषण को सोखकर दिल्ली-एनसीआर की हवा को साफ रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि अगर अरावली कमजोर हुई तो रेगिस्तान फैल सकता है और उत्तर भारत में जल संकट और गंभीर हो जाएगा। एक ओर अरावली को उत्तर भारत के पर्यावरणीय संतुलन के लिए बेहद अहम बताया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर विपक्ष इसे प्रदेश के भविष्य से जुड़ा मुद्दा बनाकर सड़क से सदन तक संघर्ष की तैयारी में जुट गया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर, 2025 में अरावली की परिभाषा बदल दी, जिसमें 100 मीटर से ऊंची जगहों को ही पहाड़ी माना जाएगा। इस आदेश से सिर्फ राजस्थान के 15 जिलों में 12,081 पहाड़ियों में से केवल 1,048 (8.7 फीसदी) ही इस मानक को पूरा कर सकेंगी और 90 फीसदी से अधिक क्षेत्र संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएगा। यही बात पर्यावरणविदों को चिंता में डाल रही है। उनका कहना है कि सिर्फ़ ऊँचाई के आधार पर अरावली को परिभाषित करने से कई ऐसी पहाड़ियों पर खनन और निर्माण के लिए दरवाज़ा खुल जाने का खतरा पैदा हो जाएगा, जो 100 मीटर से छोटी हैं, झाड़ियों से ढंकी हुई और पर्यावरण के लिए जरूरी हैं।

जनजीवन से जुड़ा है मामला

यह फैसला सिर्फ कानूनी व्याख्या का मामला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, पर्यावरण व भविष्य से जुड़ा सवाल है। इसलिए पर्यावरणविद मांग कर रहे हैं कि सरकार अरावली क्षेत्रों को वैज्ञानिक मानकों से परिभाषित करे, जिसमें उसका भूगोल, पर्यावरण. वन्यजीव संपर्क और जलवायु संघर्ष क्षमता शामिल हो। हालांकि, सरकार और कुछ कानून विशेषज्ञों का कहना है कि नई परिभाषा 1980 के दशक से चली आ रही, जो इस लड़ाई पर एक सामान्य परिभाषा बनाएगी। कोर्ट ने भी माना कि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक वास्तविकताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अरावली क्षेत्र में पत्थर और खनिजों का खनन हजारों लोगों की आजीविका से जुड़ा है और बुनियादी ढांचे के लिए जरूरी है। बिना ठोस वैज्ञानिक और कानूनी आधार के पूरी तरह से प्रतिबंध के कई गंभीर परिणाम हो सकते हैं।केंद्र सरकार का कहना है कि नई परिभाषा का मकसद नियमों को मज़बूत करना और एकरूपता लाना है, न कि सुरक्षा को कम करना। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने कहा कि यह मान लेना ग़लत है कि 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली हर जमीन पर खनन की इजाज़त होगी।

अब अरावली की नई परिभाषा

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि 1,47,000 वर्ग किलोमीटर में फैली अरावली श्रृंखला का सिर्फ़ दो फीसदी हिस्सा ही संभावित रूप से खनन के लिए इस्तेमाल हो सकता है और वह भी विस्तृत अध्ययन और आधिकारिक मंजूरी के बाद। बहरहाल, अरावली पर्वत श्रृंखला के संरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश और केंद्र सरकार द्वारा अरावली की नई परिभाषा तय करने के प्रयासों के बाद राजस्थान की राजनीति गरमा गई है। इस पूरे विवाद की जड़ में एक सबसे अहम सवाल है, जो देखने में सरल लेकिन असल में बेहद खतरनाक है- आखिर अरावली की कानूनी और पर्यावरणीय परिभाषा क्या होनी चाहिए? सुप्रीम कोर्ट ने जो नई परिभाषा पर मुहर लगाई है क्या वो पर्यावरण मानकों और साइंटफिक स्केल के दायरे में किया गया है? यह सवाल इसलिए अहम बन जाता है क्योंकि इसी परिभाषा के आधार पर यह तय होता है कि कौन-सा क्षेत्र खनन, रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स या संरक्षण के दायरे में आएगा। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्र सरकार की सुझाई गई परिभाषा को स्वीकार किए जाने के बाद यह बहस और तीखी हो गई है। अरावली का महत्व केवल स्थानीय नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्तर पर भी अत्यंत व्यापक है। यह पर्वतमाला थार मरुस्थल और उत्तर भारत के घनी आबादी वाले मैदानों के बीच एक प्राकृतिक ढाल की तरह काम करती है। राजस्थान, दिल्ली और गुरुग्राम जैसे क्षेत्रों में यह धूल भरी हवाओं को रोकने, तापमान नियंत्रित करने और वर्षा के जल को जमीन में समाहित करने में सहायक है। अरावली के जंगल कार्बन अवशोषण और वायु शुद्धिकरण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। यदि अरावली को गंभीर क्षति पहुंचती है, तो इसके परिणाम दूरगामी होंगे। विशेषज्ञों के अनुसार इससे वायु प्रदूषण में वृद्धि, भीषण गर्मी और हीटवेव, और भूजल स्तर में तेज गिरावट जैसी समस्याएं और गहराएंगी।

माइनिंग कंट्रोल करना ज़रूरी

यह राजस्थान में मरुस्थलीकरण की गति बढ़ सकती है, जबकि दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण और जल संकट और गंभीर रूप ले सकता है। अरावली पर सुप्रीम कोर्ट की नई परिभाषा ने एक ऐसे निर्णायक मोड़ की ओर संकेत किया है, जहां कानूनी व्याख्या और पर्यावरणीय वास्तविकता के बीच संतुलन स्थापित करना अनिवार्य हो गया है। आने वाले समय में इस फैसले के प्रभाव केवल कानून की किताबों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उत्तर भारत के पर्यावरण और जनजीवन पर गहरी छाप छोड़ सकते हैं। दरअसल, यह पूरा मामला दिखाता है कि अरावली संरक्षण की लड़ाई लंबी है। विकास और पर्यावरण का संतुलन कैसे बनेगा, यह समय बताएगा। लेकिन आज, अरावली रेंज खतरे में है। अवैध माइनिंग ने 20 फीसदी इलाके को नष्ट कर दिया है। सरकार अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट चला रही है। वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया है कि यहां के जंगलों को बचाना और उनका विस्तार करना बहुत ज़रूरी है। माइनिंग को कंट्रोल करना भी ज़रूरी है।

जीवन के लिए पर्वतीय शृंखला का जिंदा रहना जरूरी

मुद्दा

सुशील देव

वरिष्ठ स्तंभकार

अरावली पहाड़ियों से जुड़ा मुद्दा इन दिनों केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह एक बड़े सामाजिक–राजनीतिक आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल इसे पर्यावरण संरक्षण का गंभीर सवाल बता रहे हैं, जबकि केंद्र सरकार इसे खनन माफिया पर सख्त प्रहार के रूप में पेश कर रही है। दशकों से चल रही राजनीति, विरोधाभासी फैसलों और बदलती परिभाषाओं के बीच यह सवाल सबसे अहम है कि क्या सचमुच अरावली का भविष्य सुरक्षित है? हाल ही में केंद्र सरकार ने अरावली पहाड़ियों में नए खनन मामलों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली–एनसीआर तक फैली पूरी अरावली श्रृंखला पर लागू किया गया है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि जो खदानें पहले से संचालित हैं, उन्हें सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार सभी पर्यावरणीय मानकों और सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन करना होगा। सरकार का दावा है कि इससे प्रकृति को हो रहे नुकसान को रोका जाएगा और अरावली क्षेत्र में हरियाली लौटाने के प्रयास किए जाएंगे। इसी बीच अरावली की परिभाषा को लेकर विवाद गहरा गया है। हालिया सुप्रीम कोर्ट के फैसले में कहा गया कि केवल वही भूमि अरावली पहाड़ी मानी जाएगी, जो आसपास की जमीन से कम से कम 100 मीटर ऊंची हो।

इस परिभाषा के सामने आते ही पर्यावरणविदों और विपक्षी दलों ने आशंका जताई कि इससे बड़ी संख्या में छोटी पहाड़ियां, टीले और झाड़ियों से ढके क्षेत्र संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएंगे। कांग्रेस का आरोप है कि नई परिभाषा के तहत अरावली का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संरक्षित नहीं रह पाएगा और उसे रियल एस्टेट या अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए खोला जा सकता है। सरकार इन आरोपों को सिरे से खारिज करती है। उसका कहना है कि विपक्ष भ्रम फैला रहा है और खनन पर लगे प्रतिबंध से बौखला गया है। पर्यावरण मंत्रालय का दावा है कि अरावली के संरक्षण के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सर्वे ऑफ इंडिया को नई परिभाषा के आधार पर नक्शा तैयार करने के निर्देश केवल स्पष्टता के लिए दिए गए हैं। बावजूद इसके, इस मुद्दे पर देशभर में विरोध प्रदर्शन, हस्ताक्षर अभियान और जनसभाएं हो रही हैं, जो बताती हैं कि जनता की चिंता गहरी है। अरावली मानसून के दौरान बादलों की दिशा मोड़ने में अहम भूमिका निभाती है, जिससे पूर्वी राजस्थान और उत्तरी मैदानों को वर्षा मिलती है। यह थार मरुस्थल के विस्तार को रोकती है और रेत–धूल को दिल्ली–एनसीआर तक पहुंचने से काफी हद तक थामे रखती है। इसके अलावा, अरावली को भूजल रिचार्ज का इंजन भी कहा जाता है। इस क्षेत्र में मौजूद जंगल, चट्टानें और मिट्टी वर्षा जल को जमीन में समाहित कर जलस्तर बनाए रखने में मदद करते हैं।

यदि अरावली कमजोर होती है, तो दिल्ली–एनसीआर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पानी और हवा दोनों का संकट और गहरा सकता है। पहले ही गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के इलाकों में अरावली की कई पहाड़ियां कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो चुकी हैं।

यदि अरावली कमजोर होती है, तो दिल्ली–एनसीआर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पानी और हवा दोनों का संकट और गहरा सकता है। पहले ही गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के इलाकों में अरावली की कई पहाड़ियां कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो चुकी हैं। इतिहास पर नजर डालें तो अरावली को लेकर राजनीतिक दलों की भूमिका भी सवालों के घेरे में रही है। आरोप है कि 2003 में कांग्रेस सरकार के दौरान 100 मीटर ऊंचाई वाली परिभाषा की नींव रखी गई थी, जिसे 2010 में सुप्रीम कोर्ट में पेश किया गया। तब अदालत ने उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। अब करीब 14 साल बाद वही परिभाषा एक बार फिर सामने आई और सुप्रीम कोर्ट की मुहर लग गई। इस कारण विपक्ष और पर्यावरणविद् दोनों सरकार की मंशा पर सवाल उठा रहे हैं। सच्चाई यह है कि अरावली को सबसे ज्यादा नुकसान राजनीति से ज्यादा लालच और अनियंत्रित विकास ने पहुंचाया है। खनन, रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचे के नाम पर इस पर्वतमाला को लगातार काटा गया। नतीजा यह है कि दिल्ली–एनसीआर में प्रदूषण का स्तर खतरनाक बना रहता है और लोगों की औसत आयु तक प्रभावित हो रही है। आज जरूरत इस बात की है कि अरावली को केवल राजनीतिक बहस का विषय न बनाकर राष्ट्रीय धरोहर के रूप में देखा जाए। वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और स्थानीय समुदायों की राय को गंभीरता से सुना जाए। विकास और संरक्षण के बीच संतुलन बनाना ही एकमात्र रास्ता है। क्योंकि सच यही है-अगर अरावली जिंदा रहेगी, तभी हमारी हवा, पानी और जीवन भी सुरक्षित रह पाएगा।

अरावली बचाने की मुहिम पर सवाल उठाना गलत

विवाद

रोहित कौशिक

स्वतंत्र पत्रकार

अरावली पर चले रहे विवाद के बीच केन्द्र सरकार ने राज्यों को अरावली में नए खनन पट्टे देने पर पूरी तरह रोक लगाने के निर्देश जारी कर दिए हैं। पर्यावरण मंत्रालय ने कहा कि यह रोक पूरे अरावली क्षेत्र पर समान रूप से लागू होगी और इसका मकसद इस क्षेत्र की अखंडता को बनाए रखना है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा से यह सवाल उठ रहा था कि क्या अरावली के माध्यम से खनन उद्योग को गति प्रदान की कोशिश हो रही है ? हालांकि सरकार यह प्रदर्शित कर रही है कि वह खनन को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है लेकिन क्या इन प्रयासों से वास्तव में नियमानुसार खनन हो पाएगा ? माना जा रहा है कि अरावली की नई परिभाषा से इन पहाड़ियों में खनन और तेज हो जाएगा और अरावली की पहाड़ियां खत्म होने के कगार पर पहुंच जाएंगी, जिससे कई तरह के पर्यावरणीय बदलाव होंगे। मुख्य रूप से राजस्थान में अरावली की नई परिभाषा को लेकर आन्दोलन तेज हो गया है। दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में अरावली की पहाड़ियां हैं लेकिन राजस्थान में अरावली की 80 प्रतिशत पहाड़ियां हैं।

सस्टेनेबल माइनिंग का अर्थ यह है कि खनन करते हुए वहां के पर्यावरण, जल, जंगल और जनता की जिंदगी को स्थायी हानि न हो।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने अरावली की पहाड़ियों में अवैध खनन को रोकने के लिए केन्द्र सरकार से जवाब मांगा था। कोर्ट का कहना था कि अरावली की पहाड़ियों को लेकर कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है। सभी राज्य अपने अनुसार यह तय करते हैं कि वे किस पहाड़ को पहाड़ मानेंगे और किस पहाड़ पर खनन करने की इजाजत देंगे। इसी संशय को दूर करने के लिए केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने एक समिति बनाई। इस समिति ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी सिफारिशें दाखिल कीं। केन्द्र सरकार ने इस सिफारिशों में सुप्रीम कोर्ट को बताया कि यदि किसी पहाड़ की ऊंचाई 100 मीटर या उससे ज्यादा है तो उस पहाड़ से 500 मीटर के इलाकों को अरावली क्षेत्र माना जाएगा और वहां किसी भी प्रकार के खनन की अनुमति नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने इन सिफारिशों को स्वीकार करते हुए कहा कि जो पहाड़ इस परिभाषा के हिसाब से अरावली क्षेत्र में नहीं आएंगे, वहां सस्टेनेबल माइनिंग यानी टिकाऊ खनन हो सकेगा। सस्टेनेबल माइनिंग का अर्थ यह है कि खनन करते हुए वहां के पर्यावरण, जल, जंगल और जनता की जिंदगी को स्थायी हानि न हो। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ लोगों में गुस्सा है। लोगों का मानना है कि इस परिभाषा के हिसाब से अरावली के 90 प्रतिशत पहाड़ खत्म हो जाएंगे क्योंकि इन पहाड़ों की ऊंचाई 100 मीटर से ज्यादा नहीं है। यह सही है कि अरावली क्षेत्र में पहले से ही खनन होता रहा है लेकिन अब समाज में अरावली को बचाने की चिंता देखी जा रही है तो इस चिंता को कठघरे में खड़ा नहीं किया जाना चाहिए।

देश में तमाम प्राकृतिक धरोहरों को संभालना होगा

सियासत

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

हाल ही में राजस्थान में अरावली की पहाड़ियां इन दिनों सियासत की जंग का मैदान बनी हुई हैं। अरावली को लेकर सब अपने-अपने हिसाब से परिभाषित कर रहे हैं जिसे लेकर जबरदस्त विवाद छिड़ा हुआ है। आरोप-प्रत्यारोप का खेल भी जमकर हो रहे हैं। भाजपा आरोप लगा रही है कि पूर्व सीएम अशोक गहलोत जो 'सेव अरावली' कैंपेन चला रहे थे, वह उन्हीं के कार्यकाल में अरावली 100 मीटर की परिभाषा की सिफारिश की गई थी और हमने वो ही किया।

हमें पहले यह समझना चाहिए कि अरावली भारत की रीढ़ है जो चार राज्यों से गुजरती है। यह उत्तर-पश्चिम भारत में लगभग 670 किलोमीटर लंबी मानी जाती है। यह दिल्ली के पास से शुरू होकर दक्षिण हरियाणा और राजस्थान के अंदर तक जाती है और फिर गुजरात में अहमदाबाद के आसपास के मैदानों तक पहुंचती है।

भूगोलविद सीमा जालान बताती हैं कि अरावली 67 करोड़ वर्ष पुरानी पर्वतमाला है और यह नहीं होतीं तो उत्तर भारत की जाने कितनी नदियां नहीं होतीं। जाने कितने जंगल, कितनी वनस्पतियां, कितने बहुमूल्य धातु और कितने इकोलॉजिकल वैभव नहीं होते। विशेषज्ञों के अनुसार अरावली पर्वत शृंखला केवल जीव-जंतुओं के लिए ही नहीं बल्कि इंसानों के लिए भी एक लाइफ लाइन है। सरकार इस मुद्दे की गंभीरता को समझे। जिस तरह केंद्र सरकार ने अरावली पहाड़ियों को 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली घोषित किया गया है और इस पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी मुहर लगा दी। इसके अलावा हरियाणा सरकार के हस्तक्षेप करने का कारण यह है कि अरावली का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा ही हरियाणा में आता है और बाकि हिस्सा राजस्थान में है। जनता का आरोप है कि बीते कई वर्षों से अरावली की चोरी हो रही है और 100 मीटर बने

आज जब अरावली की समस्या आई तो हर कोई अपनी उपस्थिति दर्ज करा है लेकिन यह सबको पता है कि कोई भी प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहर नष्ट या क्षतिग्रस्त एकदम या कुछ समय में नहीं होती।

कानून का कोई औचित्य नहीं है। वहीं, दूसरी ओर सरकार ने इसकी पैरवी की और ये गाइडलाइन सुप्रीम कोर्ट के जरिए की जा रही है। कांग्रेस का आरोप है कि एक तरफ देश में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार अरावली जैसी प्राकृतिक दीवार को कमजोर करने का काम कर रही है।

पहले ही अरावली में बड़े स्तर पर अवैध खनन हो रहा है। बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हो रहा है, ऐसे में कैसे बचेगी अरावली और कैसे बचेगा पर्यावरण? बहरहाल, आज जब अरावली की वजह से प्राकृतिक समस्या आई तो हर कोई अपनी उपस्थिति दर्ज करा है लेकिन यह सबको पता है कि कोई भी प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहर नष्ट या क्षतिग्रस्त एकदम या कुछ समय में नहीं होती। इसमें लंबा समय लगता है और यह खुला खेल हमेशा शासन-प्रशासन के सामने ही होता रहा है। मौजूदा स्थिति में हाईटेक होने के लिए हर रोज विश्व का एक सकारात्मक दिशा की ओर निर्माण हो रहा है जिसमें भारत का नाम भी बेहद चुनिंदा देशों में गिना जाने लगा। हम अन्य देशों की अपेक्षा पर्यावरण व प्राकृतिक धरोहरों को बचाने व संभालने में उतने सक्षम नहीं हैं जितने कि हमें जरूरत है। दरअसल मामला यह है कि लगातार बढ़ रही जनसंख्या को व्यवस्थित करने के लिए हम पर्यावरण व धरोहरों का विनाश करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। मानव जीवन की सबसे अहम व मूलभूत जरूरत को दरकिनार करके तरक्की करना अपराध सा लगता है।

हमारे यहां जनसंख्या का तेजी से बढ़ना जारी है तो उस आधार पर सरकारों को जनता के लिए जगह की व्यवस्था करनी होती है जिसके चलते जंगल का पर्यावरण व पहाड़ों को बर्बाद किया जा रहा है देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। वैज्ञानिकों ने लगातार हो रही आपदाओं के लिए प्राकृतिक संसाधनों के अधिक इस्तेमाल को जिम्मेदार ठहराया है। उनका मानना है कि आज स्थिति के आधार पर हमारी धरती अपने भार से कहीं अधिक भार वहन कर रही है। अगर यही हाल रहा तो अगले कुछ वर्ष बाद ही धरती रहने लायक नहीं बचेगी।

संपूर्ण पारिस्थितिकी का संरक्षण अनिवार्य होना चाहिए

पर्यावरण

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

राजनीतिक विवाद का विषय बनी प्राकृतिक पर्वतीय श्रृंखला अरावली में नए खनन पट्टे जारी करने पर केंद्रीय शासन ने पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए हैं। राजधानी दिल्ली में वर्ष के अधिकांश समय प्राकृतिक अस्थिरता, अदृश्यता व प्रदूषण की विकरालता को ध्यान में रखते हुए विचार किया जाए तो शासन का ऐसा निर्णय अत्यंत सकारात्मक है। इसके अनुरूप पर्वतीय पारिस्थितिकी को संरक्षित करने हेतु निर्धारित शासकीय मानदंडों का दैनिक कठोर क्रियान्वयन अब अपरिहार्य हो चुका है। पारिस्थितिकी की रक्षा तथा उत्तर भारत में पर्यावरण संरक्षा हेतु ऐसा होना अति आवश्यक है। इस संदर्भ में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने वानिकी अनुसंधान तथा शिक्षा परिषद् (आईसीएफआरई) को इसी प्रकार के अन्य संरक्षित क्षेत्रों में वृद्धि करने के भी निर्देश दिए हैं। मंत्रालय का आशय है कि खनन की भेंट चढ़ने वाले अन्य प्राकृतिक स्थलों की रक्षा पर भी ध्यान दिया जाए तो आवश्यकता होने पर तत्काल क्रियान्वयन संबंधी निर्णय लिए जाएं। मंत्रालय के आदेश में अरावली में ऐसे नये भूभाग चिन्हित करने का भी उल्लेखन है, जहां खनन पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। ऐसा प्रतिबंध पहले से प्रतिबंधित भूभागों के अतिरिक्त अन्य भूभागों पर होगा तथा यह प्रतिबंध संपूर्ण अरावली क्षेत्र पर समान रूप में लागू होगा। इसका उद्देश्य अरावली की भौगोलिक संरचना को सुरक्षित रखना तथा यहां अनियंत्रित खनन को रोकना है।

विवाद तथा आपत्तियां

वास्तव में 20 नवंबर को उच्चतम न्यायालय ने अपने एक निर्णय में अरावली पर्वत के संदर्भ में एक परिभाषा दी थी। इसमें पर्यावरण मंत्रालय की समिति की संस्तुतियों को स्वीकार करते हुए अरावली में खनन के विषय पर एक नई परिभाषा दी गई कि यहां उन्हीं पहाड़ियों या चोटियों को अरावली माना जाएगा जो स्थानीय भूतल स्तर से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंची हैं। इस पर राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से लेकर स्थानीय पर्यावरण संरक्षकों ने आपत्तियां तथा कड़ा विरोध प्रदर्शित किया। पर्यावरणविदों तथा 'सेव अरावली' नामक समिति के कार्यकर्ताओं का आरोप है कि इस परिभाषा के कारण अरावली का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा (छोटी पहाड़ियां) वन संरक्षण नियम की परिधि से बाहर हो सकता है, जिससे वहां अनियंत्रित व अत्यधिक खनन एवं निर्माण

पर्वतीय पारिस्थितिकी को संरक्षित करने हेतु निर्धारित शासकीय मानदंडों का कठोर क्रियान्वयन अपरिहार्य हो चुका है। पारिस्थितिकी की रक्षा तथा उत्तर भारत में पर्यावरण संरक्षा हेतु ऐसा होना जरूरी है।

गतिविधियों का रास्ता खुल जाएगा। चूंकि अरावली का सर्वाधिक अस्सी प्रतिशत क्षेत्र राजस्थान में स्थित है, अतः वहां सड़कों से लेकर सोशल मीडिया तक अभियान छिड़ गया है तथा मेवाड़ व उदयपुर अंचलों में तो इस संबंध में उग्र प्रदर्शन हुए हैं। प्रकृति संरक्षण के विषय को विपक्षी राजनीतिक गतिविधियों के कारण केंद्र के विरोध में जाता देख केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने अरावली के संदर्भ में नवीन स्पष्टीकरण और आदेश जारी कर दिए। शासन के समर्थन से उन्होंने गत 25 दिसंबर को पूरे अरावली क्षेत्र (दिल्ली से गुजरात तक) में नवीन खनन पट्टा जारी करने पर अंतरिम रोक लगा दी है। नये आदेश में स्पष्ट है कि पुरानी खदानें भी तभी चल सकेंगी, जब वे कठोर पर्यावरणीय नियमों का पालन करेंगी। शासन ये दावा भी कर रहा है कि मंत्रालय की संस्तुति पर विचार के बाद सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अरावली में खनन के लिए दी गई नई परिभाषा भ्रम दूर करने के लिए है तथा अरावली का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अभी भी संरक्षित रहेगा और केवल 2 प्रतिशत से कम क्षेत्र में ही खनन की संभावना ढूंढी जाएगी। 2018 की एक रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में अरावली का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा अवैध खनन के कारण पहले ही नष्ट हो चुका है। अब सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद अरावली बचाओ संघर्ष समिति ने इस निर्णय को चुनौती देने के लिए कानूनी विकल्प ढूंढने की घोषणा की है। अरावली संघर्ष समिति, पर्यावरणविदों तथा विपक्ष के विरोध के बाद केंद्रीय शासन ने राज्यों (राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, गुजरात) को निर्देश दिया है कि अरावली की संरक्षा तथा अवैध खनन पर सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों और पर्यावरणीय मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।

सरोकार सम्मत निष्कर्ष

देशभर में वनों, हरित संपदा से संचित क्षेत्रों, पर्वतों, पठारों, कृषि, वानिकी, उद्यानों, इत्यादि प्राकृतिक संसाधनों का विनाश तो आधुनिक अवसंरचनात्मक विकास के लिए कई दशकों से हो ही रहा है। इसीलिए प्रतिकूल ऋतुगत भिन्नतायें उत्पन्न हो रही हैं। तापमान असंतुलन के कारण सभी ऋतुएं पंचतत्त्वों को अज्ञात व्याधियों से घेर रही हैं। कंक्रीट से भरे हुए पूरे दिल्ली-एनसीआर में मृदा तथा वनस्पति से युक्त क्षेत्र अति सीमित हो गये हैं। अब कंक्रीट है, जो इन्हें अवशोषित नहीं कर पाता, इसीलिए इनके विलयन हेतु प्रतिवर्ष वर्षा की प्रतीक्षा रहती है। वर्षा यदि विलंब से होती है, तो इस नरक की समयावधि बढ़ जाती है। इस वर्ष यही वस्तुस्थिति है। अतः जलवायु की ऐसी अन्य दुर्दशाओं से सुरक्षित रहने हेतु न केवल अरावली पर्वतमाला को अपितु संपूर्ण भारत तथा विश्व की प्राकृतिक संपदाओं को सतत् संरक्षित करना अनिवार्य हो चुका है।

आईएलटी20 : शारजाह वॉरियर्स प्लेऑफ दौड़ से बाहर

एजेंसी ▶▶ शारजाह

5 विकेट से जीता डेजर्ट वाइपर्स

तेज गेंदबाज नसीम शाह की शानदार गेंदबाजी और मैक्स होल्डन के नाबाद अर्धशतक की मदद से डेजर्ट वाइपर्स ने शारजाह वॉरियर्स पर पांच विकेट से जीत हासिल कर उसे आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। इस मैच के परिणाम से यह सुनिश्चित हो गया कि अबू धाबी नाइट राइडर्स या गल्फ जायंट्स में से कोई एक टीम प्लेऑफ में जगह बनाएगी।

डेजर्ट वाइपर्स, एमआई एमिरेट्स और दुबई कैपिटल्स की टीम पहले ही प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुकी हैं। नसीम शाह ने 35 रन देकर तीन विकेट लिए और वॉरियर्स को सात विकेट पर 140 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। वॉरियर्स की तरफ से जॉनसन चार्ल्स ने सर्वाधिक 43 रन बनाए। मैक्स होल्डन की 46 गेंद पर नाबाद 66 रन की पारी की मदद से वाइपर्स ने 19.3 ओवर में पांच विकेट पर 144 रन बनाकर जीत हासिल की।

एसए20 : डरबन सुपर ने एमआई केपटाउन को हराया

एजेंसी ▶▶ केपटाउन

रिकेलटन की तूफानी सेंचुरी

रयान रिकेलटन के शतक के बावजूद एमआई केपटाउन को एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट के चौथे सत्र के पहले मैच में डरबन सुपर जायंट्स से 15 रन से हार का सामना करना पड़ा।

इस मैच में खूब रन वर्षा देखने को मिली तथा कुल मिलाकर 449 रन बने, जिसमें 25 छक्के और 40 चौके शामिल हैं। रिकेलटन ने 65 गेंदों पर पांच चौकों और 11 छक्कों की मदद से 113 रन बनाए लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम 233 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सात विकेट पर 217 रन ही बना सकी। एमआई केपटाउन की तरफ से रिकेलटन के अलावा जैसन स्मिथ ने 41 रन का योगदान दिया।

सुपर जायंट्स ने इससे पहले पांच विकेट पर 232 रन का रिकॉर्ड स्कोर बनाया था। उसकी तरफ से न्यूजीलैंड की सलामी जोड़ी डेवोन कॉनवे (33 गेंदों में 64 रन, सात चौके, दो छक्के) और केन विलियमसन (25 गेंद पर 40 रन) ने पावरप्ले में दबदबा बनाते हुए सिर्फ 8.3 ओवर में 96 रन जोड़े। इसके बाद जोस बटलर (12 गेंदों में 20 रन) और हेनरिक क्लासेन (14 गेंदों में 22 रन) ने लय को बरकरार रखा। उनके अलावा एडेन मार्क्रम ने 17 गेंदों में 35 और इवान जोन्स ने 14 गेंदों में नाबाद 33 रन बनाए।

खबर संक्षेप

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं खेलेंगे ड्रेपर

लंदन। चोटिल होने के कारण विंबलडन के बाद से केवल एक टेनिस मैच खेलने वाले जैक ड्रेपर अगले महीने होने वाले साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भी वापसी नहीं कर पाएंगे। विश्व रैंकिंग में दसवें स्थान पर काबिज ड्रेपर बायीं बांह की हड्डी में चोट लगने के कारण 2025 के सत्र में अधिकतर टूर्नामेंट में नहीं खेल पाए थे। ब्रिटेन के इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने एक्स पर लिखा, 'दुर्भाग्य से मैंने और मेरी टीम ने इस साल ऑस्ट्रेलिया न जाने का फैसला किया है। यह बहुत मुश्किल फैसला था क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई ओपन हमारे खेल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में से एक है।' उन्होंने कहा, 'मैं चोट से उबरने के अंतिम चरण में हूं लेकिन मुझे इतनी जल्दी पांच सेटों के टेनिस मैच में खेलने के लिए कोर्ट पर वापसी करना इस समय समझदारी भरा फैसला नहीं लगता।'

बांग्लादेश प्रीमियर लीग में हादसा, मैदान में कोच की मौत

ढाका। ढाका कैपिटल्स के असिस्टेंट कोच महबूब अली जकी का निधन हो गया है। बांग्लादेश प्रीमियर लीग में शनिवार को सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में राजशाही वॉरियर्स के खिलाफ ढाका के ओपनिंग मैच से कुछ देर पहले मैदान पर दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। यह घटना मैच शुरू होने से ठीक पहले हुई, जब टीम की तैयारियों के दौरान जकी अचानक बीमार पड़ गए और वह जमीन पर गिर गए। वेन्यू पर मौजूद मेडिकल स्टाफ ने तुरंत उनका इलाज किया। मैदान पर ही सीपीआर दिया गया, जिसके बाद उन्हें एम्बुलेंस से पास के अस्पताल ले जाया गया। जहां अधिकारियों ने कुछ ही देर बाद ढाका कैपिटल्स के तेज गेंदबाजी कोच को मृत घोषित कर दिया। वह 59 साल के थे।

आज से एचआईएल, खिताब पर होगी टीमों की नजर

HOCKEY INDIA LEAGUE

रांची। रांची रॉयल्स घरेलू दर्शकों के समर्थन का लाभ उठाकर रविवार से शुरू हो रही चार टीमों की महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में दबदबा कायम करने की कोशिश करेगी जबकि जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब की नजरें खिताब अपने नाम करने पर लगी होंगी। मेजबान टीम पिछले सत्र की कुछ उथल-पुथल के बाद टूर्नामेंट में खेल रही है क्योंकि शुरुआती सत्र की विजेता ओडिशा वॉरियर्स (महिला टीम) ने पिछले सत्र के बाद हटने का फैसला किया और उसके बाद उनकी जगह रांची रॉयल्स फ्रेंचाइजी ने ली।

एशेज : इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया की क्लीन स्वीप करने की उम्मीद पर फेरा पानी

बॉक्सिंग डे टेस्ट : इंग्लैंड की 15 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में पहली जीत, 2 दिन के अंदर कंगारुओं को चटाई धूल

एजेंसी ▶▶ मेलबर्न

इंग्लैंड ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेले गए चौथे एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच में 4 विकेट से जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलिया में पिछले 18 मैच में जीत हासिल नहीं कर पाने का सिलसिला रोक दिया। इंग्लैंड श्रृंखला के पहले तीन टेस्ट मैच हार गया था, जिससे आस्ट्रेलिया ने केवल 11 दिन में एशेज अपने पास बरकरार रखी थी।

इंग्लैंड ने हालांकि चौथे टेस्ट मैच को दो दिन के अंदर जीतकर ऑस्ट्रेलिया की क्लीन स्वीप करने की उम्मीद पर पानी फेर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में पहला मैच दो दिन से जीता था। यह 129 वर्षों में पहला अवसर है जबकि किसी एक श्रृंखला के दो मैच दो दिन में समाप्त हो गए। इंग्लैंड की टीम ने ऑस्ट्रेलिया में इससे पहले आखिरी बार 2010-11 की श्रृंखला में मैच जीता था। उसने तब यह श्रृंखला 3-1 से अपने नाम की थी। इसके बाद इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए लगभग 15 वर्षों में 18 टेस्ट मैचों में से 16 मैच हारे थे जबकि बाकी दो मैच ड्रॉ रहे।

एमसीजी पिच पर दो दिन में गिरे 36 विकेट

एमसीजी की पिच पर तेज गेंदबाजों की तूती बोली। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पहले दिन 20 और दूसरे दिन 16 विकेट गिरे। इंग्लैंड ने मैच के छठे सत्र में ही जीत हासिल की। इंग्लैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए आक्रामक शुरुआत की। पहले 10 ओवर में ही उसने बेन डकेट (34) और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजे गए ब्रायडन कार्स (06) के विकेट गंवाकर दो विकेट पर 70 रन बना लिए थे। स्कॉट बोलैंड ने जाक क्रॉली (37) और जैकब बेथेल (40) को आउट किया। इन दोनों ने हालांकि अहम योगदान दिया। क्रॉली ने डकेट के साथ पहले विकेट के लिए 51 और बेथेल के साथ तीसरे विकेट के लिए 47 रन की महत्वपूर्ण साझेदारियां की। जो रूट (15) और स्टोक्स (02) सस्ते में आउट हो गए, जिसके बाद जेमी स्मिथ (नाबाद 03) और हैरी ब्रूक (नाबाद 18) ने इंग्लैंड को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस तरह से इंग्लैंड ने चार जनवरी से सिडनी में शुरू होने वाले पांचवें और आखिरी टेस्ट से पहले मनोबल बढ़ाने वाली जीत हासिल की।

इंग्लैंड ने 'बार्मी आर्मी' प्रशंसकों को उन्मादपूर्ण जश्न में डुबोया

पहली पारी में 152 रन बनाने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम अपनी दूसरी पारी में 132 रन पर आउट हो गई। इस तरह से उसने इंग्लैंड के सामने 175 रन का लक्ष्य रखा। पहली पारी में 110 रन पर आउट होने वाले इंग्लैंड ने छह विकेट पर 178 रन बनाकर अपने हजारों धैर्यवान लेकिन वफादार 'बार्मी आर्मी' प्रशंसकों को उन्मादपूर्ण जश्न में डुबो दिया। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने मैच के बाद कहा, 'अब तक यह दौरा काफी कठिन रहा है। हमने जिस तरह से प्रदर्शन किया वह शानदार था। हमने साहसिक खेल दिखाया और अपने काम को अंजाम तक पहुंचाया। जब मैं आउट हुआ तब हम लक्ष्य से 10 रन पीछे थे। मैं जानता था कि हम लक्ष्य तक पहुंच जाएंगे। जीत के साथ अंत करना सुखद अहसास है।'

ऑस्ट्रेलिया के 3 बल्लेबाज पहुंच सके दोहरे अंक तक

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मिचेल स्टार्क, झाय रिचर्डसन और बोलैंड ने दो-दो विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया ने सुबह अपनी दूसरी पारी बिना किसी नुकसान के चार रन से आगे बढ़ाई लेकिन उसके केवल तीन बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंचे। इनमें सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड (46), स्मिथ (नाबाद 24) और कैमरन ग्रीन (19) शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में सस्ते में आउट करने में कार्स ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 34 रन देकर चार विकेट लिए जबकि स्टोक्स ने 24 रन देकर तीन विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया। ऑस्ट्रेलिया ने नाइटवॉचमैन बोलैंड (06) का विकेट जल्दी खो दिया। इसके बाद जैक वेदरल्ड (05) और मार्नस लाबुशेन (08) भी आयाराम गयाराम ही साबित हुए। हेड के आउट होने के बाद अगले दो ओवरों में उस्मान ख्वाजा (00) और एलेक्स कैरी (04) भी पवेलियन लौट गए, जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 82 रन से छह विकेट पर 86 रन हो गया। लंच के बाद स्टोक्स ने ग्रीन का महत्वपूर्ण विकेट लिया, जिन्होंने दूसरी स्लिप पर कैच दिया। इसके बाद कार्स ने निचले क्रम के बल्लेबाजों को समेटने में देर नहीं लगाई।

रूट ने लारा को छोड़ा पीछे

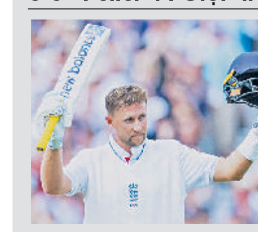

जो रूट ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 22 हजार रन 501वीं पारी में पूरे किए और सबसे तेज 22 हजार रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए, जहां पहले ब्रायन लारा थे। लारा अब चौथे नंबर पर आ गए, जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 22 हजार रन 511 पारियों में पूरे किए थे। इस लिस्ट में पहले नंबर पर विराट कोहली हैं, जिन्होंने इस आंकड़े को 462 पारियों में छूआ था जबकि दूसरे नंबर पर सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने ऐसा 493वें पारी में किया था।

मेलबर्न में फेंकी गई कुल 852 गेंदें

मेलबर्न में खेला गया एशेज टेस्ट दो दिन में खत्म हुआ। इतिहास में सातवीं बार एशेज का कोई मैच दो दिन के अंदर खत्म हुआ। मेलबर्न में कुल 852 गेंदें फेंकी गई और गेंदों में हिसाब से यह चौथा सबसे छोटा एशेज टेस्ट बन गया है। मेलबर्न में चारों पारियों में कोई खिलाड़ी फिफ्टी तक नहीं लगा पाया और एक भी फिफ्टी के बिना इस मैच में 500 से ज्यादा बने। ऐसा छठी बार हुआ है। यह एशेज में 150 से ज्यादा के सफल चेज में सबसे ज्यादा रन-रेट वाला दूसरा मैच बन गया है।

फिडे विश्व रैपिड चैंपियनशिप

कार्लसन के साथ संयुक्त बढ़त पर अर्जुन एरिगैसी और गुकेश

एजेंसी ▶▶ दोहा

क्लासिकल प्रारुप के मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश, अर्जुन एरिगैसी और विश्व के नंबर एक मैग्नस कार्लसन के साथ फिडे विश्व रैपिड चैंपियनशिप के पहले दिन के पहले पांच दौर के बाद संयुक्त बढ़त पर हैं। इस तिकड़ी ने मैक्सिम वाचियर लाग्रेव और व्लादिस्लाव आर्टेमिएव के साथ 4.5 अंकों के साथ पहले दिन शीर्ष स्थान साझा किया।

कार्लसन शानदार फॉर्म में थे और उन्होंने चारों बाजी आसानी से जीती लेकिन पांचवें और अंतिम दौर में एरिगैसी ने उन्हें ड्रॉ पर रोक दिया और दोनों ने 4.5 अंकों के साथ दिन का समापन किया।

18 वर्षीय मुर्जिन का पहला दिन मुश्किल भरा

गुकेश ने पहले दौर में ड्रॉ से शुरुआत करते हुए शानदार वापसी की। इसके बाद उन्होंने चार जीत हासिल कर शीर्ष खिलाड़ियों में अपनी जगह बनाई। विश्व रैपिड चैंपियनशिप के मौजूदा चैंपियन रूस के 18 वर्षीय वोलोडर मुर्जिन का पहला दिन काफी मुश्किल भरा रहा और वे सिर्फ दो अंक ही हासिल कर पाए। धीमी शुरुआत करने वाले खिलाड़ियों में आर प्रज्ञाननंदा भी शामिल थे। उन्होंने पहले दौर का मैच तो जीत लिया, लेकिन उसके बाद दो मैच ड्रॉ रहे। चौथे दौर में उन्हें काले मोहरों से खेलते हुए 150 से अधिक अंकों से कम रेटिंग वाले लेवान पैंटसुलाइया से हार का सामना करना पड़ा। महिला रैपिड चैंपियनशिप की मौजूदा चैंपियन कोनेरू हम्पी ने दो जीत और दो ड्रॉ के साथ तीन अंक हासिल किए।

17 साल की तिलोत्तमा ने 50 मीटर राइफल में जीता स्वर्ण

भोपाल। बेंगलुरु की युवा निशानेबाज तिलोत्तमा सेन ने राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। सत्रह साल की यह निशानेबाज देश के लिए पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय खिलाड़ी थी। तिलोत्तमा ने 466.9 के स्कोर से शीर्ष स्थान हासिल किया। केरल की विदार्सा के विनोद ने 462.9 अंक से रजत जबकि रेलवे की आयोनिका पॉल ने 451.8 अंक के स्कोर से कांस्य पदक प्राप्त किया। तिलोत्तमा ने क्वालिफिकेशन दौर में 591 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था जबकि विदार्सा 589 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। वहीं तिलोत्तमा ने कर्नाटक की साथी अनुष्का ठाकुर 588 अंक से तीसरे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचीं। फाइनल में अनुष्का बहुत कम अंतर से पदक से चूक गईं, वह 441.2 के साथ चौथे स्थान पर रहीं। आयुषी पोद्दार पांचवें और आशी चौकसे छठे स्थान पर रहीं।

श्रीलंका पर अपना दबदबा कायम रखने के लिए उतरेगी भारतीय महिला टीम

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

पहले तीन मैच जीतकर श्रृंखला अपने नाम कर चुकी भारतीय महिला टीम रविवार 28 दिसंबर को श्रीलंका के खिलाफ चौथे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भी अपना दबदबा कायम रखने की कोशिश करेगी।

■ श्रीलंका के खिलाफ चौथा महिला टी20 आज शाम 7 बजे से

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने पांच मैचों की इस श्रृंखला में अभी तक अपना दबदबा कायम रखा है। श्रीलंका की टीम अभी तक उसे किसी भी तरह की चुनौती नहीं दे पाई है। भारत श्रृंखला में 3-0 से आगे है। भारत ने पहले तीन मैच में लक्ष्य का पीछा किया और उसके दबदबे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उसने किसी भी मैच में 14.4 ओवर से अधिक बल्लेबाजी नहीं की है, तीन से अधिक विकेट नहीं गंवाए हैं, और 129 रन से अधिक के लक्ष्य का सामना नहीं किया है।

टॉस ने निभाई भूमिका

इस शानदार सफलता का श्रेय मुख्य रूप से भारतीय गेंदबाजों को जाता है। अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा ने दो मैचों में चार विकेट लिए हैं जबकि रेणुका सिंह ने ग्रीनफील्ड स्टेडियम में एक ही मैच में चार विकेट हासिल किए। टॉस ने भी थोड़ी भूमिका निभाई होगी क्योंकि हरमनप्रीत ने तीनों मौकों पर टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। इससे उनके गेंदबाजों को कम ओस वाली परिस्थितियों में गेंदबाजी करने का मौका मिला। भारतीय गेंदबाजों ने इस मौके का भरपूर फायदा उठाया है और अब तक किसी भी श्रीलंकाई बल्लेबाज को 40 रन की संख्या को पार नहीं करने दिया है।

यादें 2025 : भारतीय खिलाड़ियों ने राष्ट्रमंडल में पदक जीतने में हासिल की कामयाबी

मीराबाई की प्रतिभा के इर्द-गिर्द घूमता रहा भारतीय भारोत्तोलन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय भारोत्तोलन एक बार फिर मीराबाई चानू की अटूट प्रतिभा के इर्द-गिर्द घूमता रहा, जिनका विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक डोपिंग संबंधी चिंताओं और सीनियर स्तर पर अन्य खिलाड़ियों की निराशाजनक प्रदर्शन के कारण वर्ष 2025 में इस खेल के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि थी।

एक साल से अधिक समय तक चोट के कारण खेल से दूर रहने के बाद वापसी करते हुए मीराबाई ने स्वदेश में आयोजित राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। इस के बाद उन्होंने 48 किलोग्राम वर्ग में विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता, जिससे खेल की भारत में ध्वजवाहक के रूप में उनकी स्थिति की पुष्टि हुई।

एशियाई चैंपियनशिप में निरुपमा देवी ने हासिल किया चौथा स्थान

चानू ने 199 किलोग्राम वजन उठाकर जीता रजत

मीराबाई ने नॉर्वे के फोर्डे में खेली गई प्रतियोगिता में 199 किलोग्राम के कुल भार उठाकर रजत पदक हासिल किया। उन्होंने स्नैच में 84 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 115 किलोग्राम वजन उठाया। चानू के अलावा इस सत्र में अन्य सीनियर भारोत्तोलकों ने कोई उल्लेखनीय प्रदर्शन नहीं किया। हालांकि भारतीय खिलाड़ियों ने राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में कमजोर प्रतिस्पर्धा के बावजूद पदक जीतने में कामयाबी हासिल की, लेकिन उनका प्रदर्शन विश्व स्तरीय मानकों के करीब भी नहीं पहुंच पाया। एशियाई चैंपियनशिप में भी निरुपमा देवी ने महिलाओं के 64 किलोग्राम वर्ग में चौथा स्थान हासिल किया, जबकि दिलबाग सिंह पुरुषों के 96 किलोग्राम वर्ग की प्रतियोगिता में नौवें स्थान पर रहे।

अमेरिका में भयंकर बर्फीले तूफान 'डेविन' की दस्तक, घरों में रहने की सलाह

न्यूयॉर्क समेत कई शहरों में आपातकाल घोषित, 1800 उड़ानें रद्द

अमेरिका में बर्फीले तूफान ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मिडवेस्ट से नॉर्थ ईस्ट अमेरिका तक स्नो स्टॉर्म की चपेट में है। शहर, सड़कें, घर बर्फ की मोटी चादर से ढके हैं

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

■ सड़कों पर 10-12 इंच मोटी बर्फ की परत जमी

अमेरिका में बर्फीले तूफान ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मिडवेस्ट से नॉर्थ ईस्ट अमेरिका तक स्नो स्टॉर्म की चपेट में है। शहर, सड़कें, घर बर्फ की मोटी चादर से ढके हैं। बर्फीले तूफान और बर्फीली बारिश से सड़कों पर फिसलन है। नेशनल वेदर एजेंसी (एनडब्ल्यूए) ने विंटर स्टॉर्म 'डेविन' को लेकर चेतावनी जारी करते हुए न्यूयॉर्क समेत कई शहरों में आपातकाल की घोषणा कर दी है और लोगों को घरों के अंदर रहने की सलाह दी है।

तूफानी हवाओं से पेड़ गिरे, बिजली आपूर्ति बाधित

बर्फीले तूफान के चलते वाहनों की आवाजाही में दिक्कत

सड़कों पर बिछी बर्फ की मोटी चादर

एनडब्ल्यूए की रिपोर्ट के अनुसार, इस बार सर्दियों का सबसे भीषण बर्फीला तूफान आया है, जिससे न्यूयॉर्क सिटी और इसके आस-पास के इलाकों में 2 से 8 इंच मोटी बर्फ की परत बिछा दी है। कहीं-कहीं 10 इंच मोटी परत जमा है। न्यू जर्सी, कनेक्टिकट, पेंसिल्वेनिया में तूफानी हवाएं चलने से पेड़ गिर गए और बिजली की तारें टूटने से बिजली की आपूर्ति बाधित हो गई है। मिशिगन, पेंसिल्वेनिया में फ्रीजिंग रेन और स्नोफॉल से सड़कों पर 10 से 12 इंच मोटी बर्फ की परत जमा है और सड़कें भी फिसलन भरी हैं।

कई एयरपोर्ट पर फंसे हैं हजारों लोग

एनडब्ल्यूए ने न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में भारी बर्फबारी के साथ तूफानी हवाएं चलने का अलर्ट देकर इमरजेंसी घोषित कर दी है। जॉन एफ कैनेडी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, ला गार्डिया एयरपोर्ट और डेट्रॉइट मेट्रोपॉलिटन वेन काउंटी एयरपोर्ट समेतट देशभर के कई एयरपोर्ट पर लोग फंसे हुए हैं।

ईस्ट कोस्ट की तरफ बढ़ रहा तूफान

पूरे नॉर्थ ईस्ट अमेरिका में अलर्ट और इमरजेंसी रहेगा, क्योंकि एक शक्तिशाली बर्फीला तूफान ईस्ट कोस्ट की ओर बढ़ रहा है। वेस्ट कोस्ट से लेकर उत्तर-पूर्व और अलास्का तक तूफान आने की चेतावनी है। कैलिफोर्निया, नेवाडा, इडाहो, व्योमिंग, कोलोराडो, पेन्सिलवेनिया, न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क, अलास्का, कनेक्टिकट, वाशिंगटन, ओरेगन, मोंटाना, यूटा, मिनेसोटा, विस्कॉन्सिन, मिशिगन, ओहियो, वेस्ट वर्जीनिया, मैरीलैंड, वर्जीनिया, डेलावेयर और मैसाचुसेट्स, उत्तर-पूर्वी न्यू जर्सी, पेन्सिलवेनिया में बर्फबारी होगी।

खबर संक्षेप

ग्वाटेमाला में बस खाई में गिरी, 15 की मौत

नई दिल्ली। मध्य अमेरिका में स्थित देश ग्वाटेमाला में भीषण सड़क हादसा हुआ है। गवाटेमाला के पश्चिमी इलाके में इंटर-अमेरिकन हाइवे पर एक यात्रा बस खाई में गिर जाने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए, अधिकारियों ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। स्थानीय फायर ब्रिगेड के प्रवक्ता लिआंद्रो अमाडो ने बताया कि मृतकों में 11 पुरुष, 3 महिलाएं और एक नाबालिग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 19 घायल यात्रियों को घटनास्थल से बचाया गया और इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

इंडोनेशिया में नाव डूबी 11 लोग लापता

जकार्ता(इंडोनेशिया के कोमोडो द्वीप के पास नौका डूबने से चार स्पेनिश पर्यटकों समेत 11 लोग लापता हो गए। बचावकर्मियों ने शनिवार को स्पैनिश परिवार की तलाश शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि को मो डो नेशनल पार्क के अंदर लोकप्रिय पर्यटन स्थल पदार द्वीप के पास एक टूरिस्ट नाव शुक्रवार रात डूब गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मौमेरे सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के प्रमुख फतहुर रहमान ने बताया कि नाव में छह स्पेनिश पर्यटक, चार क्रू सदस्य और एक स्थानीय गाइड समेत कुल 11 लोग सवार थे। कोमोडो द्वीप से पदार जाने के दौरान शुक्रवार शाम इंजन फेल होने से नाव डूब गई।

बांग्लादेश में 'संस्कृति' पर फिर हमला

सिंगर जेम्स को गाने से रोका ईंट-पत्थर फेंके, 20 घायल

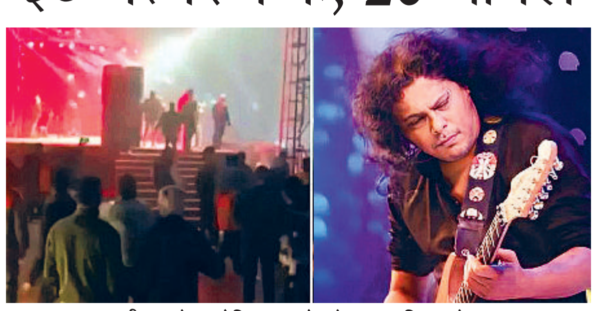
फरीदपुर में आयोजित समारोह में हमला, सिंगर जेम्स

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश के फरीदपुर में लोकप्रिय गायक जेम्स के कंसर्ट में भीड़ ने हमला कर दिया। इस घटना में 20 लोग घायल हुए हैं। भीड़ में शामिल लोगों ने ईंट और पत्थर फेंके, जिससे कई लोग घायल हुए हैं। जेम्स का यह संगीत कार्यक्रम फरीदपुर जिला स्कूल के 185वें स्थापना दिवस समारोह के समापन के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम स्कूल परिसर में बनाए गए एक अस्थायी मंच पर शुक्रवार रात करीब 9 बजे होना था, तभी अचानक एक भीड़ कार्यक्रम स्थल में घुस आई और वहां मौजूद लोगों पर पत्थर और ईंटें फेंकनी शुरू कर दीं, जिससे कई लोग घायल हो गए। लोगों ने विरोध करने की कोशिश की, लेकिन अंत में संगीत समारोह कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। अधिकारियों और आयोजकों ने यह जानकारी दी। जेम्स बांग्लादेशी रॉक बैंड 'नगर बाउल' के प्रमुख गायक, गीतकार और गिटार वादक हैं।

कलाकारों पर हो रहे हमले

बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन ने एक्स पर घटना का वीडियो साझा करते हुए देश में गायकों और कलाकारों पर हो रहे हमलों की बढ़ती संख्या पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक केंद्र छायानाट को जलाकर राख कर दिया गया है। उदिची (वह संगठन जिसका उद्देश्य संगीत, रंगमंच, नृत्य, कविता पाठ और लोक संस्कृति को बढ़ावा देकर धर्मनिरपेक्ष और प्रगतिशील चेतना को पोषित करना था) भी जलकर राख हो गया है। नसरीन ने कहा कि कुछ दिन पहले उस्ताद अलाउद्दीन खान के पोते सिराज अली खान ढाका आए थे।

विस्तृत जानकारी जुटा रही पुलिस

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सदर सर्कल) अजमीर हुसैन ने कहा कि घायलों की वास्तविक संख्या की अभी पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि हमले में घायल लोगों की संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। हम विस्तृत जानकारी जुटाने की कोशिश कर रहे हैं।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते से गदगद हुए पीएम लक्सन बोले

रोजगार के नए अवसर सृजन होंगे, लोगों की बढ़ेगी आय, निर्यात को बढ़ावा मिलेगा

एजेंसी ▶▶ वेलिंगटन

न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अपनी सरकार की प्रमुख उपलब्धि बताया। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया कि हमने अपनी पहली कार्यकाल में भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता हासिल करने का वादा किया था, और हमने इसे पूरा कर दिया। यह ऐतिहासिक समझौता 1.4 अरब भारतीय उपभोक्ताओं के बाजार के दरवाजे खोलकर अधिक नौकरियां, ऊंची आय और अधिक निर्यात लाएगा।

मूलभूत सुधार। भविष्य का निर्माण। उन्होंने यह बात तब कही जब भारत और न्यूजीलैंड ने एक व्यापक और लंबे समय से प्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पूरा किया। यह समझौता 22 दिसंबर को पीएम नरेंद्र मोदी और लक्सन के बीच टेलीफोन वार्ता के बाद घोषित किया गया। दोनों नेताओं ने इसे द्विपक्षीय संबंधों में ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया। मार्च 2025 में शुरू हुई वार्ताएं मात्र नौ महीनों में पूरी हुईं, जो भारत के सबसे तेज संपन्न एफटीए में से एक है। यह 'विकसित भारत 2047' विजन से जुड़ा है। इस समझौते के प्रमुख प्रावधानों के अनुसार न्यूजीलैंड भारत को अपने 95% निर्यातों पर शुल्क कम या समाप्त करेगा, जिसमें पहले दिन से 57% उत्पाद शुल्क-मुक्त होंगे।

1.4 अरब भारतीय उपभोक्ताओं के बाजार के न्यूजीलैंड के दरवाजे खोले

एफटीए को द्विपक्षीय संबंधों में ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया

एफटीए को न्यूजीलैंड की बड़ी उपलब्धि बताया, 2026 की पहली तिमाही में होंगे हस्ताक्षर

पीएम नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन (दाएं)

न्यूजीलैंड भारत में करेगा 20 अरब डॉलर का निवेश

समझौते के तहत भारत के सभी निर्यात न्यूजीलैंड में शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त करेंगे, जो कपड़ा, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, आभूषण, इंजीनियरिंग सामान आदि क्षेत्रों को बढ़ावा देगा। इसके साथ ही न्यूजीलैंड अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर निवेश का वादा किया है। सेवाओं में भारत को आईटी, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, पर्यटन आदि में मजबूत पहुंच मिलेगी। भारतीय पेशेवरों के लिए अस्थायी रोजगार वीजा की नई सुविधा, जिसमें एक समय में 5,000 वीजा तीन वर्ष तक की अवधि के लिए दिया जाएगा।

मौजूदा व्यापार को 5 साल में दुगना करने का लक्ष्य

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मौजूदा द्विपक्षीय व्यापार लगभग 1.3 अरब डॉलर है, जो अगले पांच वर्षों में दोगुना होने की उम्मीद है। यह समझौता रोजगार सृजन, निवेश, नवाचार और एमएसएमई को मजबूत करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि यह समझौता व्यापार, निवेश और लोगों के बीच संबंधों को नई गति देगा। दोनों देशों के लिए यह आर्थिक विकास और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग का प्रतीक है। समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर 2026 की पहली तिमाही में होने की संभावना है।

न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री ने जताई थी आपत्ति

हालांकि, न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने हाल ही में घोषित एफटीए की कड़ी आलोचना करते हुए इसे न तो स्वतंत्र और न ही निष्पक्ष बताया था। उन्होंने कहा था कि न्यूजीलैंड भले ही भारतीय उत्पादों के लिए अपना बाजार पूरी तरह खोल देगा, लेकिन भारत ने न्यूजीलैंड के प्रमुख डेयरी निर्यात पर लगे महत्वपूर्ण टैरिफ को कम करने पर सहमति नहीं जताई है। उन्होंने इस परिणाम को किसानों और ग्रामीण समुदायों के सामने बचाव योग्य बताया और कहा कि दुर्भाग्यवश, यह न्यूजीलैंड के लिए एक बुरा सौदा है।

भारत को पेशेवर सेवाओं में बढ़त

इस बीच, वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, भारत ने कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अच्छी सफलता हासिल की है। इनमें आईटी और आईटी-सक्षम सेवाएं (जैसे सॉफ्टवेयर और कंप्यूटर सेवाएं), पेशेवर सेवाएं (जैसे वकील, इंजीनियरिंग, लेखा), शिक्षा (ऑनलाइन कोर्स, ट्रेनिंग), वित्तीय सेवाएं (बैंकिंग, बीमा), पर्यटन, निर्माण (बिल्डिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर) और अन्य बिजनेस सेवाएं शामिल हैं।

एफ-35 विश्वसनीयता, लागत और मिशनों को अंजाम देने में नाकाम रहा

वॉशिंगटन(एजेंसी)। अमेरिकी वायुसेना के एफ-35 लड़ाकू विमानों को लेकर पेंटागन की ऑडिट में चौंकाने वाले खुलासे हुए है। इन खुलासों ने एफ-35 बनाने वाली कंपनी लॉकहीड मार्टिन की नींद उड़ा दी है। इस ऑडिट में पता चला है कि एफ-35 विश्वसनीयता, लागत और राजनीतिक मिशनों को अंजाम देने में नाकाम रहा है। इस कारण यूरोप और एशिया के कई देश एफ-35 की जगह यूरोफाइटर टाइफून, राफेल और ग्रिपेन जैसे विकल्पों की ओर देख रहे हैं। इसके अलावा ये देश खुद के लड़ाकू विमानों को बनाने पर भी जोर दे रहे हैं, जिसका सीधा असर अमेरिकी रक्षा बाजार पर पड़ रहा है। ऑडिट रिपोर्ट में कहा गया है कि जॉइंट स्ट्राइक फाइटर (जेएसएफ) अपनी अत्यधिक तकनीकी जटिलता, एक ही डिजाइन से तीन अत्यधिक विशिष्ट विमान वेरिएंट बनाने के लक्ष्य, महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला और विनिर्माण मुद्दों, और लगातार सॉफ्टवेयर अपडेट समस्याओं के कारण धीमा रहा है। जेएसएफ प्रोग्राम नौ देशों (संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, इटली, नीदरलैंड, तुर्की, ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क, नॉर्वे) के बीच एक संयुक्त प्रयास है।

अमेरिका में रहते रूस के राजनयिक ने गोपनीय जानकारी साझा की थी

चलती गाड़ी से उतारकर लगाई हथकड़ी

पकड़े जाने के बाद कोर्ट ने सुनाई 12 साल की सजा

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

रूस की एक अदालत ने 38 वर्षीय अर्सेनी कोनोवोलोव को शुक्रवार को अमेरिका से खुफिया जानकारी साझा करने के आरोप में रूसी अदालत ने 12 वर्ष की सजा सुनाई है। इससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है जिसमें रूसी खुफिया एजेंसी फेडरल सिक्योरिटी ब्यूरो (एफएसबी) के अधिकारी आरोपी राजनयिक को एक चलती गाड़ी (वैन) में हथकड़ी लगाते हुए देखे जा सकते हैं। वीडियो में डिप्लोमेट को एक जेल और फिर अदालत के कठघरे में खड़ा देखा जा सकता है।

रूसी डिप्लोमेट कोनोवोलोव और उन्हें अरेस्ट करती एफएसबी

साल 2024 में हुई थी गिरफ्तारी

जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार को डिप्लोमेट को सजा सुनाए जाने के बाद एफएसबी ने इस वीडियो को आधिकारिक तौर से रिलीज किया है। दरअसल, कोनोवोलोव को साल 2024 में गिरफ्तार किया था। उन्होंने अमेरिका स्थित रूसी दूतावास में काम किया था। उसी दौरान, आरोपी ने अमेरिका के लिए काम करना शुरू कर दिया। उसने अमेरिका को रूस से जुड़ी गोपनीय जानकारी साझा की थी। अमेरिका से रूस लौटने के फौरन बाद एफएसबी ने कोनोवोलोव को धर-दबोचा था। करीब एक साल चले ट्रायल के बाद रूसी अदालत ने राजनयिक को दोषी करार दिया और सजा का फरमान सुना दिया।

अमेरिका का बड़ा दावा

बेलारूस में बना रहा रूस न्यूक्लियर हाइपरसोनिक मिसाइल बेस

रूस अपनी नई न्यूक्लियर हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल ओरेश्निक को बेलारूस के क्रिचेव एयरबेस पर तैनात कर रहा है। सैटेलाइट तस्वीरों से तेज निर्माण और लॉन्चर सुविधाएं दिख रही हैं। यह मिसाइल 12000 किमी प्रति घंटे की गति से उड़ती है। इसकी मारक क्षमता 5500 किमी तक है। अमेरिकी शोधकर्ताओं ने उपग्रह तस्वीरों से पता लगाया है कि ओरेश्निक को बेलारूस के पूर्वी हिस्से में एक पुराने एयरबेस पर तैनात कर रहा है। ये तैनाती बेहद तेजी से हो रही है और जल्दबाजी में। इससे रूस को रणनीतिक बढ़त मिलेगी। यह कदम यूरोप में रूस की मिसाइल पहुंच को और मजबूत कर सकता है।

मिसाइल तैनाती की उपग्रह तस्वीर

विदेश मंत्रालय ने दोहराया समर्थन

म्यांमार में लोकतांत्रिक की बहाली और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव हों

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने शुक्रवार को म्यांमार में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली और स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा समावेशी चुनावों के प्रति अपना समर्थन दोहराया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत म्यांमार में शांति, स्थिरता और सामान्य स्थिति की वापसी के पक्ष में है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत म्यांमार में लोकतांत्रिक संक्रमण का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि म्यांमार में चुनाव होने जा रहे हैं। हम ऐसे स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनावों का समर्थन करते हैं, जिनमें सभी की भागीदारी हो।

म्यांमार में आज से चुनाव का पहला चरण

अगस्त में म्यांमार के केंद्रीय चुनाव आयोग ने घोषणा की थी कि देश में आम चुनाव का पहला चरण 28 दिसंबर को होगा, जबकि अगले चरणों की तारीखें बाद में घोषित की जाएंगी। यह घोषणा ऐसे समय में हुई, जब जून में म्यांमार के स्टेट सिक्योरिटी एंड पीस कमीशन के अध्यक्ष सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने कहा था कि देश में चुनाव दिसंबर और अगले वर्ष जनवरी के दौरान कराए जाएंगे।

ऑस्ट्रेलियाई चेतावनी को कहा 'भ्रामक', नकली बैच बाजार में नहीं

नई दिल्ली। भारत की अग्रणी वैक्सीन निर्माता कंपनियों में से एक इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लि. (आईआईएल) ने मानव एंटी-रेबीज वैक्सीन 'अभयरैब' को लेकर सामने आई हालिया खबरों पर शनिवार को स्पष्टीकरण जारी किया है। कंपनी ने ऑस्ट्रेलियाई स्वास्थ्य एजेंसियों की ओर से जारी परामर्श को अत्यधिक सतर्कता भरा और भ्रामक बताते हुए सख्ती से खारिज किया है। आईआईएल ने कहा कि बाजार में कोई नकली बैच उपलब्ध नहीं हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25